मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित

हिन्दी दैनिक

उत्तरशक्ति

मुंबई
वर्षः 8 अंक 91
शनिवार, 11 अक्टूबर 2025
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

हर खबर निष्पक्षता के साथ

घुसपैठियों को देश का भविष्य तय नहीं करने देंगे: अमित शाह

नई दिल्ली, 10 अक्टूबर। एसआईआर के खिलाफ विपक्ष के कड़े तेवर के बावजूद केंद्रीय गृह व सहकारिता मंत्री अमित शाह ने साफ कर दिया कि घुसपैठियों को देश का प्रधानमंत्री और राज्य का मुख्यमंत्री तय नहीं करने देंगे। शाह ने घुसपैठियों की पहचान कर मतदाता सूची से उनका नाम डिलीट करने और अंततः उन्हें डिपोर्ट करने पर सरकार की प्रतिबद्धता जताई।

शाह ने साफ किया कि मतदाता सूची के शुद्धिकरण के लिए एसआईआर आजादी के बाद से ही चल रहा है, लेकिन सिर्फ अपने वोटबैंक को बचाने के लिए विपक्ष इस समय इसका विरोध कर रहा है। अमित शाह के अनुसार बिहार में एसआईआर संविधान के अनुरूप और सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में हो रहा है, इसके बावजूद विपक्ष का इसके खिलाफ जुलूस निकालना संविधान की मयार्दाओं के खिलाफ है। संविधान के अनुच्छेद 326 में सिर्फ भारतीय नागरिक को मतदान का अधिकार दिया गया है। उनके अनुसार निष्पक्ष चुनाव के लिए संविधान के अनुरूप तय मतदाताओं की सूची तैयार करना जरूरी है।

उन्होंने विपक्ष को चुनौती दी कि यदि सिर्फ नागरिक को अधिकार को खत्म कर भारत में रहने वाले सभी लोगों को मतदान का अधिकार देना चाहता है, तो संसद में इसके लिए प्रस्ताव लेकर आए। उन्होंने बताया कि कई क्षेत्रों में 20 फीसद, 30 फीसद, 15 फीसद और 11 फीसद घुसपैठिये मिले हैं। शाह ने सवाल उठाया कि जो देश का नागरिक नहीं है, उसे प्रधानमंत्री या मुख्यमंत्री चुनने

का अधिकार कैसे दिया जा सकता है। उन्होंने कहा कि घुसपैठिया हमेशा राष्ट्रहित को ध्यान में रखकर नहीं, बल्कि यह देखकर वोट करेगा कि कौन उसे इस देश में रहने देगा। उन्होंने कहा कि जबतक मतदान का मकसद राष्ट्रहित नहीं होगा, लोकतंत्र कभी सफल नहीं हो सकता है। उन्होंने साफ किया कि देश कौन चलाएगा यह सिर्फ देश का नागरिक ही तय कर सकता है।

घुसपैठ को देश की सुरक्षा के साथ-साथ संस्कृति और लोकतंत्र पर खतरा बताते हुए अमित शाह ने बताया कि इससे निपटने का काम अकेले केंद्र सरकार नहीं कर सकता। उन्होंने सीमा की सुरक्षा की जिम्मेदारी केंद्रीय अर्धसैनिक बल बीएसएफ के होने के कारण घुसपैठ रोकने में विफलता के लिए केंद्र पर विपक्ष के हमलों का भी जवाब दिया। शाह ने स्वीकार किया कि प्राकृतिक चुनौतियों के कारण बांग्लादेश की सीमा को पूरी तरह से सील करना संभव नहीं है। लेकिन घुसपैठ करने के बाद पहली बार कोई घुसपैठिया किसी गांव में ही जाता है। वोटबैंक के लिए घुसपैठियों को संरक्षण के लिए पश्चिम सरकार को जिम्मेदार ठहराते हुए उन्होंने कहा कि आज तक किसी पटवारी ने एक भी घुसपैठिये के खिलाफ शिकायत दर्ज क्यों नहीं कराई। उन्होंने आरोप लगाया कि कलक्टर के ऑफिस में सभी घुसपैठियों का आधार कार्ड बनाया जाता है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकारों की सजगता कारण पाकिस्तान से लगी गुजरात और राजस्थान की सीमा पर घुसपैठ की घटनाएं नहीं होती हैं।

कुछ लोगों ने आंखों पर पट्टी बांध रखी है, उन्हें समझाया जाए सच्चा हिंदुत्व और देशभक्ति: उद्धव ठाकरे

मुंबई, 10 अक्टूबर। शिवसेना (उबाठा) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने कहा कि कुछ लोगों ने अपनी आंखों पर पट्टी बांध रखी है और उन्हें यह समझाना जरूरी है कि सच्चा हिंदुत्व और देशभक्ति क्या होती है। वह यहां उपनगरीय बांद्रा स्थित अपने घर मातोश्री के बाहर कुछ पार्टी कार्यकताओं को संबोधित कर रहे थे।

ठाकरे ने उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे पर बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स में ब्रिटेन के प्रधानमंत्री केअर स्टार्मर के स्वागत में लगाए गए बैनरों पर उनकी तस्वीर को लेकर कटाक्ष किया और कहा कि मंत्री अपने प्रचार के प्रति जुनूनी हैं। शिंदे शिवसेना के प्रमुख हैं।

ठाकरे ने कहा, क्या आप (शिंदे) उनके (स्टार्मर) करीब

भी पहुंच पाए? वे आत्म-प्रचार में मुग्ध हैं। भारतीय जनता पार्टी भाजपा) पर परोक्ष हमला करते हुए उन्होंने कहा, सच्ची देशभक्ति और हिंदुत्व को समझाना जरूरी है। कुछ लोगों ने आंखों पर पट्टी बांध रखी है। उन्होंने कहा कि बाढ़ प्रभावित किसान हताश हैं और सरकार ने उनके लिए छल का पैकेज घोषित किया है। ठाकरे हाल में भारी बारिश और बाढ़ के कारण फसलें गंवाने वाले किसानों के लिए घोषित वित्तीय सहायता का ज़िक्र कर रहे थे। पूर्व मुख्यमंत्री ठाकरे शनिवार को छत्रपति संभाजीनगर में किसानों के लिए अपर्याप्त वित्तीय पैकेज के खिलाफ प्रदर्शन में भाग लेंगे।

ईडी ने 100 करोड़ रुपये के साइबर धोखाधड़ी मामले में चार लोगों को गिरफ्तार किया

गुजरात, 10 अक्टूबर। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने साइबर अपराध के कई मामलों में धनशोधन की जांच के तहत गुजरात में चार लोगों को गिरफ्तार किया है। ईडी ने एक बयान में शुक्रवार को यह जानकारी दी।

साइबर अपराध के इन मामलों में लोगों से कथित तौर पर 100 करोड़ रुपये से अधिक की ठगी की गई। ईडी के सूरत उप-क्षेत्रीय कार्यालय ने धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के प्रावधानों के तहत मकबूल अब्दुल रहमान डॉक्टर , काशिफ मकबूल डॉक्टर , महेश मफतलाल देसाई और ओम राजेंद्र पांड्या को हिरासत में लिया है।

आरोप है कि मकबूल डॉक्टर

, उसके बेटे काशिफ मकबूल डॉक्टर और बासम मकबूल डॉक्टर के अलावा देसाई, पांड्या और कुछ अन्य लोगों ने विभिन्न साइबर धोखाधड़ी के जरिए लोगों के साथ ठगी की थी।

ईडी ने बयान में कहा कि आरोपियों ने अपराध से अर्जित आय एकत्रित करने के लिए अपने कर्मचारियों, सहयोगियों और कुछ लोगों के नाम पर बैंक खाते खोले। बयान के अनुसार अपराध से अर्जित आय 100 करोड़ रुपये से अधिक होने का अनुमान है। ईडी ने कहा कि इन बैंक खातों के संचालन के लिए आरोपियों ने पूर्व-सक्रिय सिम कार्ड प्राप्त किए और बाद में राशि क्रिप्टोकरेंसी में परिवर्तित करके उसका शोधन किया और नियामक जांच से बचने के लिए नकदी हवाला ऑपरेटरों के माध्यम से भेजी। धन शोधन का यह मामला सूरत पुलिस के विशेष अभियान समूह (एसओजी) द्वारा अक्टूबर 2024 में दर्ज की गई प्राथमिकी पर आधारित है।

सुहागिनों ने सजाई आराधना, निहारा चांद का चेहरा और किया अखंड सौभाग्य का संकल्प

◆जब आकाश में चांद ने अपनी रजत मुस्कान बिखेरी, तब घाटों से लेकर गलियों तक सुहागिनों के चेहरे पर भी वही उजास झलक उठा

◆घर-आँगन में मंगल गीत गूँजते रहे, सात जन्म का संग हमारा, चंदा तू गवाह रहना...

सुरेश गांधी

वाराणसी। व्रत, सौंदर्य और समर्पण की त्रिवेणी बनी करवा चौथ की संध्या। शुक्रवार की रात जब आकाश में चांद ने अपनी रजत मुस्कान बिखेरी, तब घाटों से लेकर गलियों तक सुहागिनों के चेहरे पर भी वही उजास झलक उठा। किसी ने बालकनी से छलनी में झांका, किसी ने छत पर

दीप जलाकर अपने चांद समान पति का दर्शन किया। करवा चौथ का यह पावन व्रत शहर की हर अँगेरी में आस्था, प्रेम और स्त्री-शक्ति का उत्सव बन उठा। काशी की सुहागिनों ने इस करवा चौथ पर एक बार फिर दिखा दिया कि परंपरा चाहे कितनी भी पुरानी क्यों न हो, जब उसमें प्रेम और श्रद्धा की बुनावट हो, तो वह सदा नवीन लगती है।

सुबह से ही व्रतिनी महिलाओं ने निर्जला उपवास रख अपने पति की दीघार्यु और सौभाग्य की कामना की। घर-आँगन में मंगल गीत गूँजते रहे, सात जन्म का संग हमारा, चंदा तू गवाह रहना...। सजधज कर जब सुहागिनें लाल चुनरी और मेंहदी रचे हाथों से पूजा थाल सजाने लगीं तो पूरे वातावरण में सौंदर्य और श्रद्धा का अद्भुत संगम बिखर गया। काशी के दशाश्वमेध, अस्सी और रथयात्रा, पांडेयपुर आदि इलाकों में महिलाओं ने समूह में करवा चौथ की कथा सुनी। बुजुर्ग महिलाओं ने सास-बहू परंपरा का निर्वाह करते हुए कन्याओं को सोलह श्रृंगार के साथ व्रत का महत्व बताया। शाम ढलते ही हर छत पर दीपक की लौ और आरती की थाल से झिलमिलाती रोशनी ने मानो आसमान को भी सजो लिया।

रात के चाँद का इंतजार जैसे-जैसे बढ़ता गया, वैसी-वैसी आस्था की आभा और गहरी होती गई। जब अंततः चाँद निकला तो शहर की फिजा ह्लचाँद आ गया... चाँद आ गया...ह्व की पुकार से गूंज उठी। छलनी से चाँद और फिर पति का मुख निहारते हुए सुहागिनों की आँखों में जो प्रेम और पूर्णता की चमक थी, वह किसी दीपक की लौ से कम न थी। इस अवसर पर कई जगहों पर सामूहिक पूजन का आयोजन भी हुआ। शिवाला और भेलूपुर क्षेत्रों में महिलाओं ने सामूहिक रूप से करवा चौथ कथा का पाठ किया। स्थानीय मंदिरों में सुहागिनों ने माँ गौरी और भगवान शिव के सम्मुख आरती उतारी और अखंड सौभाग्य की प्रार्थना की। करवा चौथ केवल व्रत नहीं, बल्कि भारतीय स्त्री के प्रेम और त्याग का जीवंत प्रतीक है। यह पर्व उस नारी-संकल्प का प्रतीक है जो अपने प्रिय के जीवन की रक्षा के लिए स्वयं को तप की अग्नि में झोंक देती है। आज भी यह परंपरा युगों के अंतराल में उतनी ही जीवित और सुंदर बनी हुई है।

अशोकनगर, शिवपुरी और बमोरी सहित पूरे गुना संसदीय क्षेत्र में लगे 117 विद्युत उपकेन्द्र: सिंधिया

नई दिल्ली, 10 अक्टूबर। केन्द्रीय संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री तथा गुना सांसद ज्योतिरादित्य सिंधिया ने आज अपने अशोकनगर प्रवास के दौरान सेमरा डोंगरा, बिला खेड़ी में दो नए 33/11 के.वी. विद्युत उपकेंद्रों का शिलान्यास किया। इन परियोजनाओं के माध्यम से क्षेत्र के हजारों ग्रामीण परिवारों को स्थायी, गुणवत्तापूर्ण और निर्बाध विद्युत आपूर्ति का लाभ मिलेगा। इस अवसर पर केन्द्रीय मंत्री ने बताया कि इस जिले में उन्होंने कुल 23 नए विद्युत उपकेन्द्र बनवा दिए हैं जिनमें से 15 तो पिछले 15 जिलों में लगे हैं।

सिंधिया ने जनता को संबोधित कहा कि आज का यह अवसर केवल ईंट और पत्थर का नहीं, बल्कि उज्जवल भविष्य की नींव रखने का क्षण है। इन उपकेंद्रों से हमारे किसानों के खेतों में रोशनी फैलेगी, हमारे बच्चों की पढ़ाई बिना रुकावट जारी रहेगी, और हमारे छोटे उद्योगों को निरंतर ऊर्जा प्राप्त होगी। यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी और मुख्यमंत्री मोहन यादव जी की उस प्रतिबद्धता का प्रतीक है, जिसके तहत हर घर तक विश्वसनीय और सस्ती बिजली पहुंचाना हमारा संकल्प है।

विदित रहे कि अशोकनगर विधानसभा क्षेत्र के सेमरा डोंगरा उपकेंद्र की क्षमता 5 टश्अ है, जिसकी लागत ?2.91 करोड़ है। इसमें 9 किलोमीटर 33 के.वी. लाइन और 0.7 किलोमीटर 11 के.वी. लाइन बिछाई जाएगी। यह उपकेंद्र अमी बोगरा, सेमरा, बारखेड़ी फतेहपुर, गीरी, माह, आतमपुर और घडली जैसे 7 गाँवों को लाभान्वित करेगा, जिससे लगभग 13,000 लोगों को स्थायी बिजली की सुविधा मिलेगी। इस परियोजना से राजपुर उपकेंद्र पर दबाव कम होगा और वोल्टेज की पुरानी समस्या समाप्त हो जाएगी।

इसी प्रकार बिला खेड़ी उपकेंद्र की स्थापना 2.48 करोड़ की लागत से की जा रही है, जिसकी क्षमता 5 MVA होगी।

आर के मीडिया
हिन्दी दैनिक न्यूज पेपर, साप्ताहिक न्यूज पेपर, हिन्दी मासिक पत्रिका का पेज बनबाने के लिए सम्पर्क करे: 9199355950

मध्यप्रदेश के पन्ना जिले में बस पलटने से छह बच्चे घायल

पन्ना। मध्यप्रदेश के पन्ना जिले में बच्चों को स्कूल ले जा रही एक मिनी बस के पलट जाने से छह बच्चे घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि यह दुर्घटना जिला मुख्यालय से 40 किलोमीटर दूर अमानगंज क्षेत्र में रामनगर के निकट सुबह लगभग नौ बजकर 15 मिनट पर हुई। क्षेत्र के उप-विभागीय पुलिस अधिकारी मानसिंह टेकाम ने पीटीआई- को बताया कि 30 बच्चों को लेकर बस झारकुआ क्षेत्र में एक स्कूल जा रही थी तभी चालक ने वाहन पर से नियंत्रण खो दिया।

अंकुरम गर्भ में संस्कार की पाठशाला का अनूठा अभियान

-ललित गर्ग

मानव जीवन की सबसे गहरी जड़ें गर्भ में होती हैं। यह वह प्रथम और सबसे पवित्र पाठशाला है जहाँ न केवल शरीर, बल्कि मनुष्य की चेतना, मूल्य और विचार भी आकार लेते हैं। इस गहन सत्य को आचार्य श्री महाश्रमण की पावन उपस्थिति में अहमदाबाद के कोबा स्थित तेरापंथ सभा भवन में शुरू की गई एक ऐतिहासिक पहल में जीवंत अभिव्यक्ति मिली। अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल ने एक प्रेरक अभियान - अंकुरम गर्भ संस्कारः भावी जीवन की नींव का उद्घाटन किया। पंकज मोदी की गरिमामयी उपस्थिति ने इस अवसर की पवित्रता और सौहार्द को और बढ़ा दिया। इस संपूर्ण परियोजना की परिकल्पना आचार्य महाश्रमण की है, जिन्होंने अपने प्रवचन में इस बात पर जोर दिया कि गर्भ केवल भौतिक सृजन का केंद्र नहीं है वह मानसिक और आध्यात्मिक मूल्यों का उद्गम है। यदि माता का मन शांत, शुद्ध और सकारात्मक है, तो वही स्पंदन शिशु के संस्कार बन जाते हैं और उसके जीवन को आकार देते हैं। उन्होंने कहा कि अंकुरम गर्भ संस्कार आंदोलन इस पवित्र दर्शन पर आधारित एक उज्ज्वल भविष्य के निर्माण की दिशा में एक सशक्त कदम है। अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल की राष्ट्रीय अध्यक्षा श्रीमती सुमन नाहटा के नेतृत्व में, इस अभियान का उद्देश्य मातृत्व को एक नई दिशा देना है। उनके शब्दों में, एक माँ केवल एक जीवन का निर्माण नहीं करती - वह एक युग का निर्माण करती है। उसके विचार, भावनाएँ और कर्म आने वाली पीढ़ियों की दिशा निर्धारित करते हैं। मातृत्व के आध्यात्मिक अनुशासन के माध्यम से, हम सद्गुणों के बीज बोते हैं। अंकुरम एक मूल्य-उन्मुख आंदोलन है जो गर्भ से ही करुणा, शांति, संयम और सकारात्मकता का पोषण करने का प्रयास करता है। यह पहल मातृत्व को एक आध्यात्मिक साधना में बदल देती है, जहाँ प्रत्येक माँ भावना, प्रार्थना, संगीत, ध्यान और प्रेम के माध्यम से अपने अजन्मे बच्चे से जुड़ती है।

भारतीय परंपरा में, गर्भावस्था को कभी भी केवल एक जैविक प्रक्रिया के रूप में नहीं, बल्कि एक पवित्र आध्यात्मिक तपस्या के रूप में देखा गया है। यह लंबे समय से माना जाता रहा है कि बच्चे का चरित्र निर्माण जन्म के समय नहीं, बल्कि गर्भाधान के क्षण से ही शुरू हो जाता है। माँ का गर्भ जीवन की प्रथम पाठशाला है। व्यास, चरक, सुश्रुत और मनु जैसे प्राचीन ऋषियों और उपनिषदों ने गर्भावस्था के दौरान की स्थितियों के महत्व पर बल दिया है। गर्भ संस्कार का शाब्दिक अर्थ है, गर्भस्थ शिशु के शरीर, मन और आत्मा का शुद्ध, सकारात्मक और रचनात्मक ऊर्जा से पोषण करना। गर्भ उपनिषद में कहा गया है कि गर्भवती स्त्री के भाव, विचार, आहार और वातावरण शिशु के मानसिक और भावनात्मक विकास को सीधे प्रभावित करते हैं। इसलिए, उसे चेतन रचनाकार कहा गया है। महाभारत में इसके ज्वलंत उदाहरण मिलते हैं-जब कुंती ने अपने प्रत्येक पुत्र को गर्भ धारण करने से पहले दिव्य मंत्रों का जाप किया, तो उस समय उनकी मानसिक स्थिति ने उनके गुणों को आकार दिया। इसी प्रकार, अभिमन्यु द्वारा अपनी माता सुभद्रा के गर्भ में चक्रव्यूह का रहस्य जानने की कथा गर्भ संस्कार की वैज्ञानिक गहराई को दर्शाती है।

आधुनिक विज्ञान अब इस बात की पुष्टि करता है कि शिशु के मस्तिष्क का लगभग अस्सी प्रतिशत विकास गर्भ में ही होता है। गर्भ एक निष्क्रिय भौतिक स्थान नहीं है; यह ऊर्जा और बुद्धि का एक गतिशील केंद्र है जो शिशु के भावी व्यक्तित्व को आकार देता है। इस अवधारणा को व्यावहारिक बनाने के लिए, अंकुरम कार्यक्रम गर्भवती माताओं को सशक्त बनाने हेतु एक व्यापक प्रशिक्षण मॉडल प्रस्तुत करता है। यह प्रशिक्षण गर्भ संस्कार के पीछे के प्राचीन विज्ञान, शिशु की शारीरिक, बौद्धिक, भावनात्मक और आध्यात्मिक बुद्धि के सचेतन विकास, शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के रखरखाव, और ध्यान, मंत्रोच्चार, शास्त्र वाचन और सेवा गतिविधियों के माध्यम से भावनात्मक और आध्यात्मिक सामंजस्य के विकास को शामिल करता है। इस कार्यक्रम में दिव्य प्रसव और माताओं एवं नवजात शिशुओं की प्रसवोत्तर देखभाल के लिए मार्गदर्शन भी शामिल है। गर्भ संस्कार अकादमी की संस्थापक डॉ. सोनल जैन जायसवाल इस दृष्टिकोण को उल्लेखनीय समर्पण के साथ साकार करने का नेतृत्व कर रही हैं।

अंकुरम का दार्शनिक आधार आचार्य श्री महाप्रज्ञ के प्रेक्षाध्यान में निहित है, जिसने यह स्थापित किया कि ध्यान केवल तपस्वियों तक ही सीमित नहीं है, बल्कि जीवन के सभी चरणों के लिए सर्वोच्च औषधि है। इसका मूल संदेश-बोध करो, जानो और रूपांतरित करो, यहाँ अत्यंत प्रासंगिक हो जाता है। जब एक माँ ध्यान करती है, तो उसकी उन्नत चेतना उसके अजन्मे बच्चे की चेतना को प्रकाशित करती है। आचार्य महाप्रज्ञ कहा करते थे, गर्भ ध्यान का प्रथम मंदिर है। वहाँ उत्पन्न स्पंदन जीवन भर बच्चे के व्यक्तित्व को प्रभावित करते हैं। इसी विरासत को आगे बढ़ाते हुए, आचार्य महाश्रमण ने इस संस्कार को आधुनिक संदर्भ में विस्तारित किया है, और कहा है कि आज जब भय, अशांति और तनाव से ग्रस्त इस विश्व में, गर्भ संस्कार जैसी पहल मानवता को स्थायी शांति और मूल्यों की ओर ले जा सकती है। मातृत्व स्वयं एक पवित्र तपस्या है, और अंकुरम उस तपस्या को चेतना के उत्सव में बदल देता है।

अंकुरम गर्भ संस्कार योग, ध्यान और आधुनिक विज्ञान का सुंदर समन्वय करता है। यह इस समझ पर आधारित है कि एक माँ के विचारों और भावनाओं का गर्भस्थ शिशु पर सीधा प्रभाव पड़ता है। योग, प्राणायाम और प्रेक्षा तकनीकों के माध्यम से, गर्भवती माताएँ शांत, संतुलित और आनंदित रहना सीखती हैं, जिससे शांत, स्वस्थ और मूल्य-उन्मुख बच्चे जन्मते हैं। जैसाकि सुमन नाहटा बताती हैं, अंकुरम एक प्रशिक्षण प्रक्रिया है जो भावी माताओं को गर्भावस्था को एक आध्यात्मिक साधना में बदलना सिखाती है ताकि प्रत्येक जन्म के साथ, मूल्यों का एक नया सूर्योदय धरती पर उदित हो। यह पहल माताओं से आगे बढ़कर एक राष्ट्र-निर्माण आंदोलन है। एक मूल्य-उन्मुख पीढ़ी ही एक सशक्त समाज और एक शांतिपूर्ण विश्व की सच्ची नींव है। इस प्रकार, अंकुरम गर्भ संस्कार केवल एक धार्मिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि धर्म, विज्ञान, मनोविज्ञान और संस्कृति को एक सूत्र में पिरोने वाला एक आध्यात्मिक आंदोलन है।

आचार्य श्री महाश्रमण ने ठीक ही कहा है कि संस्कार बचपन में नहीं, बल्कि गर्भ में ही शुरू हो जाते हैं। एक माँ जो सजगता, करुणा और संयम के साथ जीवन जीती है, वह एक ऐसे बच्चे को जन्म देती है जो समाज में प्रकाश फैलाता है। अंकुरम के माध्यम से, हम एक सुसंस्कृत भारत की नींव रख रहे हैं। सुसंस्कृत मातृत्व सुसंस्कृत मानवता की ओर पहला कदम है। बीज से वृक्ष तक, यह पहल एक नई मानवता के पोषण की प्रयोगशाला है। इसे भारत के उन्नीस राज्यों के साथ-साथ नेपाल और भूटान में तेरापंथ महिला मंडलों की पाँच सौ पचास शाखाओं में सत्तर हजार से ज्यादा महिलाओं द्वारा क्रियान्वित किया जायेगा।

अंकुरम गर्भ संस्कार मातृत्व को एक ध्यानपूर्ण यात्रा में बदल देगा-जहां माँ और बच्चे के बीच एक मौन संवाद, जो शब्दों में नहीं, बल्कि भावनाओं के माध्यम से व्यक्त होगा। यह धर्म, योग और शांति का संवाद है। यह पहल एक नई चेतना जगाती है कि अगर हम गर्भ से ही मूल्य-निर्माण शुरू कर दें, तो हम दुनिया से हिंसा, बेचैनी और नैतिक पतन को मिटा सकते हैं। जैसाकि आचार्य महाप्रज्ञ ने बहुत खूबसूरती से कहा है, जब एक माँ ध्यान में प्रवेश करती है, तो मानवता का भविष्य प्रार्थनापूर्ण हो जाता है। भारतीय चिंतन में, मातृत्व को हमेशा से ही सर्वोच्च देवत्व-जननी, धात्री, अन्नपूर्णा और भूमिका देवी के रूप में पूजनीय माना गया है। माँ की गोद मूल्यों का सबसे बड़ा पवित्र स्थान है। हमारे महाकाव्य, रामायण और महाभारत, मातृ कृपा के अनगिनत आदर्शों को दर्शाते हैं-कौशल्या की कोमलता, सीता का साहस, कुंती का धैर्य और गार्गी-मैत्रेयी का ज्ञान। भारतीय संस्कृति में मातृत्व केवल एक रिश्ता नहीं है, यह एक आध्यात्मिक शक्ति, एक पवित्र ऊर्जा और समस्त सृष्टि का स्रोत है। गर्भ एक दिव्य प्रयोगशाला है जहाँ न केवल शरीर, बल्कि मानवता की आत्मा और मूल्यों का भी निर्माण होता है।

तनाव, प्रतिस्पर्धा और कृत्रिमता से ग्रस्त आज के भौतिकवादी संसार में, गर्भ संस्कार का पुनरुत्थान मानवता की जड़ों को एक बार फिर पोषित करने का मार्ग प्रस्तुत करता है। वैज्ञानिक अध्ययन अब इस बात की पुष्टि करते हैं कि एक माँ की मानसिक शांति, ध्यान, संगीत, योग और संतुलित आहार का अजन्मे बच्चे की बुद्धि, स्वास्थ्य और व्यक्तित्व पर गहरा प्रभाव पड़ता है। अंततः, अंकुरम का संदेश शाश्वत है- केवल सुसंस्कृत माताएँ ही सुसंस्कृत संतान को जन्म दे सकती हैं और ऐसी संतानें स्वर्ण युग की नींव रखेंगी।

समाज में परिवर्तन की वाहक बने बालिकाएं

-रमेश सर्राफ धमोरा

अंतर्राष्ट्रीय बालिका दिवस संयुक्त राष्ट्र द्वारा घोषित एक अंतर्राष्ट्रीय पालन दिवस है। 11 अक्टूबर 2012 को पहली बार बालिका दिवस मनाया गया था। तब से हर वर्ष 11 अक्टूबर को पूरी दुनियां में अंतर्राष्ट्रीय बालिका दिवस मनाया जाता है। अंतर्राष्ट्रीय बालिका दिवस दुनिया भर में लड़कियों द्वारा उनके लिंग के आधार पर सामना की जाने वाली लैंगिक असमानता के बारे में जागरूकता बढ़ाता है। इस असमानता में शिक्षा, पोषण, कानूनी अधिकार, चिकित्सा देखभाल और भेदभाव से सुरक्षा, महिलाओं के खिलाफ हिंसा और जबरन बाल विवाह जैसे क्षेत्र शामिल हैं।

अंतर्राष्ट्रीय बालिका दिवस 2025 की थीम है मैं लड़की हूं, मैं बदलाव का नेतृत्व करती हूं। संकट की अग्रिम पंक्ति में लड़कियां। यह थीम संकट की परिस्थितियों में लड़कियों की दृढ़ता, नेतृत्व और सशक्त भूमिका पर केंद्रित है। यह थीम उन चुनौतियों पर प्रकाश डालती है जिनका सामना बालिकाएं करती हैं। जैसे संघर्ष, जलवायु परिवर्तन और असमानताएं। यह थीम बालिकाओं को केवल संकट के शिकार के रूप में नहीं बल्कि परिवर्तन के वाहक के रूप में पहचानने पर जोर देती है। यह थीम शिक्षा, स्वास्थ्य और सुरक्षा में निवेश का आह्वान करती है ताकि वे बेहतर और समावेशी दुनिया का निर्माण कर सकें।

आज हर क्षेत्र में बालिकाओं के आगे बढने के बावजूद भी वह अनेको कुरीतियों की शिकार हैं। ये कुरीतियों उनके आगे बढने में बाधाएं उत्पन्न करती है। पढ़े-लिखे लोग और जागरूक समाज भी इस समस्या से अछूता नहीं है। देश में आज भी प्रतिवर्ष लाखों लड़कियों को जन्म लेने से पहले ही कोख में मार दिया जाता है। आज भी समाज के अनेक घरों में बेटा, बेटी में भेद किया जाता है। बेटियों को बेटों की तरह अच्छा खाना और अच्छी शिक्षा नहीं दी जाती है। समाज में आज भी बेटियो को बोझ समझा जाता है।

भारत में हर साल तीन से सात लाख कन्या भ्रूण नष्ट कर दिये जाते हैं। इसलिए यहां महिलाओं से पुरुषो की संख्या 5 करोड़ ज्यादा है। समाज में निरंतर परिवर्तन और कार्य बल में महिलाओं की बढ़ती भूमिका के बावजूद रूढ़िवादी विचारधारा के लोग मानते हैं कि बेटा बुढ़ापे का सहारा होगा और बेटी हुई तो वह अपने घर चली जायेगी। बेटा अगर मुखाग्नि नहीं देगा तो कर्मकांड पूरा नहीं होगा। पिछले कुछ वर्षों में देश में जन्म के समय लिंगानुपात में बढ़ोतरी होना शुभ संकेत हैं। संसद में एक सवाल का जवाब में महिला एवं बाल विकास मंत्री ने बताया था कि बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना ने बालिकाओं के अधिकारों को स्वीकार करने के लिए जनता की मानसिकता को बदलने की दिशा में सामूहिक चेतना जगाई है। यह राष्ट्रीय स्तर पर जन्म के समय लिंग अनुपात (एसआरबी) में 12 अंकों के सुधार के रूप में परिलक्षित होता है। जो कि 2014 में 918 था। जबकि 2023-24 में 12 अंक बढ़कर 930 हो गया।

हमारे देश में यह एक बड़ी विडंबना है कि हम बालिका का पूजन तो करते हैं। लेकिन जब हमारे खुद के घर बालिका जन्म लेती है तो हम दुखी हो जाते हैं। देश में सभी जगह ऐसा देखा जा सकता है। देश के कई प्रदेशों में तो बालिकाओं के जन्म को अभिशाप तक माना जाता है। लेकिन बालिकाओं को अभिशाप मानने वाले लोग यह क्यों भूल जाते हैं कि वह उस देश के नागरिक हैं जहां रानी लक्ष्मीबाई जैसी विरांगनाओं ने देश के लिए अपने प्राण न्यौछावर कर दिए थे।

हमारे यहां आज भी बेटी पैदा होते ही उसकी परवरिश से ज्यादा उसकी शादी की चिन्ता होने लगती है। आज महंगी होती शादियों के कारण बेटी का बाप हर समय इस बात को लेकर चिंतित नजर आता है कि उसकी बेटी की शादी की व्यवस्था कैसे होगी। समाज में व्याप्त इसी सोच के चलते कन्या भ्रूण हत्या पर रोक नहीं लग पायी है। कोख में कन्याओ को मार देने के कारण समाज में आज लड़कियों की काफी कमी होने से लिंगानुपात गड़बड़ा गया है।

अगर समाज में बेटियों को उचित शिक्षा और सम्मान मिले तो बेटियां किसी भी क्षेत्र में पीछे नही रहेगी। इसलिए यदि यह कहा जाय की बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना नही हम सबकी एक जिम्मेदारी है तो इसमें कुछ गलत नही है। यदि हम सभी एक अच्छे समाज का निर्माण करना चाहते है तो हम सबका यही फर्ज बनता है हम बेटियों को भी भयमुक्त वातावरण में पढ़ाये। उन्हें इतना सशक्त बनाये की खुद गर्व से कह सके की देखो वह हमारी बेटी है जो इतना बड़ा काम कर रही है।

आज लड़किया लड़को से किसी भी क्षेत्र में कम नहीं हैं। कठिन से कठिन कार्य लड़किया सफलतापूर्वक कर रही हैं। देश में हर क्षेत्र में महिला शक्ति को पूरी हिम्मत से काम करते देखा जा सकता है। लड़कियों ने अपने काम और समर्पण के दम पर कई क्षेत्रों और क्षेत्रों में खुद को साबित किया है। वे अधिक प्रतिभाशाली, आज्ञाकारी, मेहनती और परिवार और अपने जीवन के लिए जिम्मेदार हैं। लड़कियां अपने परिवार और माता-पिता के प्रति अधिक देखभाल करने वाली और प्यार करने वाली होती हैं और वे हर काम में अपना सर्वश्रेष्ठ योगदान देती हैं। देश की अर्थव्यवस्था में भी महिलाओं का अहम योगदान है। वे श्रम शक्ति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं और व्यवसायों की वृद्धि और विकास में योगदान देती हैं।

एक तरफ जहां बेटी को जन्मते ही मरने के लिये लावारिश छोड़ दिया जाता है। वहीं झुंझुनू जिले की मोहना सिंह जैसी बालिकायें भी है जो आज देश में फाईटर प्लेन उड़ा कर पूरे देश में जिले का मान बढ़ा रही हैं। समाज में सभी को मिलकर लडका-लडकी में भेद नहीं करने व समाज के लोगों को लिंग समानता के बारे में जागरूक करने की प्रतिज्ञा लेनी चाहिए। देश में बालिकाओं के साथ हर दिन बलात्कार, प्रताडना की घटनायें अखबारो की सुर्खिया बनती हैं। बालिकायें कही भी अपने को सुरक्षित नहीं समझती हैं। चाहे घर हो या स्कूल अथवा कार्य स्थल। हर जगह वहशी भेडिये उन पर नजरे गड़ायें रहते हैं। उन्हे जब भी मौका मिलता है नोंच डालते हैं। ऐसे माहौल में देश की बालिकायें कैसे आगे बढ़ पायेगीं।

समाज के पढ़े लिखे लोगों को आगे आकर कन्या भ्रूण हत्या जैसे घिनोने कार्य को रोकने का माहौल बनाना होगा। ऐसा करने वाले लोगों को समझा कर उनकी सोच में बदलाव लाना होगा। लोगों को इस बात का संकल्प लेना होगा कि ना तो गर्भ में कन्या की हत्या करेगें ना ही किसी को करने देगें। तभी देश में कन्या भ्रूण हत्या पर रोक लग पाना संभव हो पायेगा। सरकार व समाज को मिलकर ऐसे वातावरण का निर्माण करने का प्रयास करना चाहिये जिसमें बालिकायें खुद को महफूज समझ सकें। समाज और राष्ट्र के विकास के लिए बालिकाओं के महत्व को स्वीकार करना और बढ़ावा देना आवश्यक है।

हम सभी जानते हैं कि एक लड़की समाज के लिए कितनी महत्वपूर्ण है। वह एक मा, एक बेटी, एक पत्नी इस तरह कई महत्वपूर्ण भूमिकाएं निभाती है। उसे घर की शांति बनाए रखने वाली स्तंभ माना जाता है और फिर भी उसका अपमान किया जाता है। स्त्रियां ही संतति की परम्परा में मुख्य भूमिका निभाती है फिर भी प्राचीन समाज से लेकर आधुनिक कहे जाने वाले समाज तक स्त्रियां उपेक्षित ही रही है।

हमारे समाज का भविष्य इस बात पर निर्भर करता है कि हम आज अपनी बच्चियों के साथ कैसा व्यवहार करते हैं और उन्हें कितना महत्व देते हैं। शिक्षा, स्वास्थ्य देखभाल, कानूनी सुरक्षा और सामाजिक सशक्तिकरण के माध्यम से बालिकाओं को सशक्त बनाना न केवल एक नैतिक दायित्व है बल्कि सामाजिक विकास के लिए एक जरूरी आवश्यकता भी है। हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि लड़कियों को आगे बढ़ने, सीखने के समान अवसर मिले। तभी हम एक संतुलित, न्यायसंगत और समृद्ध समाज बना सकेगें।

संघ की विचारधारा पर क्यों उठती है बार-बार उंगली

-अजय कुमार

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ 100 साल का जश्न मना रहा है। इन सौ सालों में संघ ने देश में अपनी जड़ें काफी मजबूती से जमा ली। यह सब तब हुए जबकि कांग्रेस की सरकारों ने संघ पर प्रतिबंद्ध सहित उसको लेकर जनता के बीच खूब जहर उगला था। यहां तक की संघ की राष्ट्रभक्ति पर भी सवाल खड़े किये गये। यह भ्रम फैलाया गया कि संघ आजादी की लड़ाई के समय संघ के साथ खड़ा था। दलितों और महिलाओं को संघ में सम्मान नहीं मिलने का आरोप लगाया गया। कुल मिलाकर संघ ने सौ सालों में कई उतार-चढ़ाव देखे हैं। संघ की समाज के प्रति समर्पण और प्रतिबद्धता किसी से छिपी नहीं है,इसीलिये तमाम आरोपों के बाद भी संघ ने अपनी विचारधारा पर कभी समझौता नहीं किया। यह सच है कि संघ पर कई बार प्रतिबंध लगाया गया तो कांग्रेस की ही सरकारों ने समाज के प्रति उनके योगदान की सराहना भी की,लेकिन संघ ने कभी भी अपने ऊपर लगे आरोपों का खुलकर खंडन नहीं किया। ऐसा इस लिये है क्योंकि संघ कभी खुलकर समाज के सामने नहीं आता है। न ही अपने किये सामाजिक कार्यो की वाहवाही बटोरता है,लेकिन संघ को सबसे अधिक विचलित तब होना पड़ता है,जब उस पर देष की आधी आबादी यानि महिलाओं की अनदेखी का आरोप लगता है। संघ पर आरोप लगाया जाता है कि वह अपनी विचारधारा और संगठनात्मक ढांचे में महिलाओं को पुरुषों जितना सम्मान और स्थान नहीं देता। आलोचक कहते हैं कि संघ में महिलाओं को नेतृत्व भूमिका में जगह बहुत कम मिलती है। लेकिन संघ स्वयं इस धारणा का खंडन करता आया है। उसका कहना है कि महिलाओं की गरिमा और शक्ति के बिना राष्ट्र का अस्तित्व ही अधूरा है। यही कारण है कि संघ ने वर्षों से महिलाओं की शिक्षा, स्वास्थ्य, कौशल और संस्कार निर्माण की दिशा में कई कार्य योजनाएं चलायी हैं।

संघ और उससे जुड़े संगठनों ने महिलाओं की उन्नति, शिक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक उत्थान के लिये अब तक किस प्रकार के कार्य किए हैं, साथ ही कि किन क्षेत्रों में अभी भी और काम की आवश्यकता महसूस की जाती है। इस पर गौर किया जाये तो देखने में यही आता है कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ स्वयं पुरुषों का संगठन है। परन्तु इसकी समानांतर शाखा महिलाओं के लिए राष्ट्र सेविका समिति के रूप में कार्यरत है। यह संगठन 1936 में डॉ. हेडगेवार के सुझाव से स्थापित हुआ। इसका उद्देश्य महिलाओं में आत्मविश्वास, अनुशासन और राष्ट्रप्रेम की भावना जगाना था। समिति आज देशभर में हजारों शाखाएँ चला रही है। इन शाखाओं में युवतियों और महिलाओं को मानसिक व शारीरिक दृष्टि से सशक्त बनाने की दिशा में विशेष प्रशिक्षण दिया जाता है। दंड, योग, गीत, व्याख्यान, साहित्य अध्ययन और विभिन्न प्रकार की प्रतियोगिताएं इनके नियमित आयोजन का हिस्सा हैं। इस समिति के माध्यम से अनेक महिला कार्यकर्ता समाज सेवा के क्षेत्र में आगे आयीं। ग्रामीण क्षेत्रों, आदिवासी इलाकों और शहरी बस्तियों में समिति की सेविकाएँ शिक्षा का प्रसार कर रही हैं, महिलाओं को आत्मनिर्भर बना रही हैं और संस्कार शिक्षा भी दे रही हैं।

संघ का मानना है कि भारत का स्वर्णिम भविष्य केवल शिक्षित और संस्कारित पीढ़ी के निर्माण से ही संभव है। इसी उद्देश्य से संघ के प्रेरणा से अनेक शिक्षण संस्थानों की स्थापना हुई, जिनमें लड़कियों की संख्या उल्लेखनीय है। विद्या भारती नामक शिक्षण संगठन आज भारत का सबसे बड़ा शैक्षिक नेटवर्क है। इसके विद्यालयों में बालिकाओं को संस्कारित शिक्षा प्रदान की जाती है। विज्ञान, गणित और कला जैसे विषयों के साथ नृत्य, संगीत व योग का अभ्यास भी कराया जाता है।आदिवासी बस्तियों में चलाए जा रहे एकल विद्यालय योजनाओं से बड़ी संख्या में लड़कियां शिक्षा से जुड़ी हैं। इन विद्यालयों से दूर-दराज की पहाड़ी और वनवासी बालिकाओं तक शिक्षा पहुँच रही है। छात्राओं को छात्रवृत्ति और मार्गदर्शन देकर उच्च शिक्षा की ओर अग्रसर करने पर भी बल दिया जाता रहा है। संघ से जुड़े संगठनों का प्रयास रहा है कि शिक्षा केवल पढ़ाई लिखाई तक सीमित न होकर चरित्र निर्माण और राष्ट्रप्रेम से भी जुड़ी हो।

महिलाओं के लिए स्वास्थ्य संबंधी अनेक योजनाएँ संघ व उसकी सहयोगी संस्थाएँ चला रही हैं। सेवा भारती संगठन देशभर में हजारों सेवा केंद्र चला रहा है। इनमें महिलाओं के लिए निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर लगाए जाते हैं। ग्रामीण और शहरी इलाकों में बालिकाओं के लिए पोषण आहार वितरण, आयरन की गोलियाँ, स्वास्थ्य परामर्श और स्वास्थ्य शिक्षा का कार्य होता हैगर्भवती महिलाओं की मदद, प्रसव के समय सहयोग, और बच्चों की देखभाल से जुड़ी योजनाओं के पीछे संघ की स्वयंसेविकाओं की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। महिला जागरूकता अभियान चलाकर मासिक धर्म स्वच्छता, पोषण और परिवार स्वास्थ्य जैसे विषयों पर ज्ञान फैलाया जाता है।

संघ का उद्देश्य केवल महिलाओं को शिक्षित करना भर नहीं है, बल्कि उन्हें आत्मनिर्भर बनाना भी है।अनेक सेवा प्रकल्पों में महिलाओं को सिलाई, बुनाई, कढ़ाई, हस्तशिल्प और भोजन प्रसंस्करण जैसी विधाओं का प्रशिक्षण दिया जाता है।इसके माध्यम से महिलाएं परिवार के आर्थिक बोझ को साझा करती हैं और आत्मसम्मान के साथ समाज में योगदान देती हैं। स्वयं सहायता समूह बनाकर ग्रामीण क्षेत्रों की महिलाओं को लघु उद्यम चलाने में सहायता दी जाती है। इससे उनमें नेतृत्व क्षमता और प्रबंधन कौशल का विकास हुआ है। आत्मनिर्भरता और महिला उद्यमिता ऐसे प्रयासों से महिलाएँ आर्थिक मजबूती के साथ आत्मसम्मान हासिल कर रही हैं। उनके अंदर प्रबंधन और निर्णय लेने की क्षमता का भी विकास हो रहा है।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का दृष्टिकोण यह है कि महिलाओं का योगदान केवल आर्थिक और सामाजिक क्षेत्रों तक सीमित न रहकर सांस्कृतिक और नैतिक निर्माण में भी महत्त्वपूर्ण होना चाहिए। सेविका समिति की शाखाओं और शिविरों में बालिकाओं को भारतीय शास्त्र, परंपरा और इतिहास से परिचित कराया जाता है। माँ भारती और नारी गरिमा की अवधारणा गीतों, नाटकों और व्याख्यानों के माध्यम से भावनात्मक रूप से जोड़ी जाती है। यह प्रशिक्षण उन्हें परिवार और समाज दोनों के प्रति जिम्मेदारी निभाने की दिशा में सजग बनाता है और उनमें नेतृत्व के साथ-साथ अनुशासन की भावना को भी प्रगाढ़ करता है।

स्वतंत्रता आंदोलन से लेकर आधुनिक काल की प्राकृतिक आपदाओं तक, संघ प्रेरित महिलाओं की भूमिका महत्वपूर्ण रही है। सेविका समिति की महिलाएँ राहत कार्य, भोजन वितरण, आश्रय केंद्र संचालन और चिकित्सा सहयोग जैसे कार्यों में उल्लेखनीय योगदान देती रही हैं। यह उनकी सामाजिक जिम्मेदारी और सेवा भाव की जीवंत मिसाल है।

उधर, आलोचक कहते हैं कि यदि महिला और पुरुष समान हैं तो महिलाओं को संघ की मुख्य संरचना में सम्मिलित क्यों नहीं किया गया। उनका मत है कि महिला नेतृत्व को पर्याप्त स्थान नहीं मिल पाता। संघ का पक्ष बिल्कुल भिन्न है। उसका कहना है कि पुरुष और महिला की भूमिकाओं और प्रकृति में भिन्नता है। इसीलिए दोनों के लिए अलग-अलग मंच बनाना ही उचित है। राष्ट्र सेविका समिति इसी विचार पर संगठित है और वर्षों से स्वतंत्र रूप से कार्य कर रही है। संघ का दावा है कि समिति की महिलाएँ सामाजिक उन्नति और सेवा कार्यों में कहीं अधिक सक्रिय हैं और यह विभाजन किसी बाधा के बजाय जिम्मेदारियों का स्वाभाविक बंटवारा है। कुल मिलाकर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और उससे जुड़े संगठन महिलाओं के शिक्षा, स्वास्थ्य, सेवा और आत्मनिर्भरता से जुड़े हजारों प्रकल्पों के माध्यम से समाज में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। लाखों महिलाएँ इन प्रयासों से आत्मबल और आत्मसम्मान प्राप्त कर रही हैं। हालांकि आलोचनाएँ यह कहती हैं कि संघ की केन्द्रीय नीति निर्धारण इकाई में महिला नेतृत्व का अभाव अब भी दिखता है। फिर भी यह वास्तविकता भी है कि महिला शक्ति को स्वतंत्र मंच देकर उन्हें राष्ट्र निर्माण में सक्रिय किया गया है। आज गाँव-गाँव और शहर-शहर में संघ प्रेरित सेविकाएँ समाज सेवा, संस्कार शिक्षा और महिला उत्थान का दीप जला रही हैं। उनका योगदान शिक्षा, स्वास्थ्य और संस्कृति की मजबूत नींव रख रहा है और यह सिद्ध कर रहा है कि राष्ट्र की शक्ति स्त्री और पुरुष दोनों की साझेदारी से ही संपूर्ण होती है।

भारत के स्वतंत्रता आंदोलन से लेकर राष्ट्र के संकट काल तक, महिलाओं ने बहादुरी से भूमिका निभाई। संघ मानता है कि मातृशक्ति ही राष्ट्र की जननी है। इतिहास में क्रांति और जागरण के क्षणों में महिलाओं का योगदान सबसे अधिक रहा है। आज भी राष्ट्रीय संकट या प्राकृतिक आपदा के समय संघ व सेविका समिति की महिलाएं राहत और सेवा कार्यों में सक्रिय दिखाई देती हैं। बाढ़, भूकम्प, महामारी और दंगों के समय स्वयंसेविकाओं ने राहत शिविर चलाये, भोजन बाँटा और पीड़ित बहनों की सहायता की है।

संघ पर महिला नेतृत्व को संगठनात्मक ढांचे में कम स्थान देने का आरोप लगता है। इसका कारण यह है कि संघ की मूल शाखा में केवल पुरुष सदस्य होते हैं। आलोचकों का कहना है कि यदि महिलाएं वास्तव में बराबर की भागीदार हैं, तो उन्हें इसी संरचना में सम्मिलित क्यों नहीं किया गया। संघ इस पर स्पष्ट जवाब देता है कि पुरुष और महिला दोनों की प्रकृति में अंतर है। इसलिए उनके विकास के लिये अलग-अलग मंच बनाना अधिक उपयुक्त है। राष्ट्र सेविका समिति इसी सिद्धांत पर कार्य करती है। संघ का कहना है कि समिति स्वतंत्र रही है और उसको अपने कार्यक्रम और दिशा तय करने की पूरी स्वतंत्रता दी गयी है। संघ का यह दावा भी है कि यदि महिला कार्यकर्ताओं को देखा जाए, तो वे सामाजिक उत्थान में पुरुषों से कहीं अधिक सक्रिय और प्रभावशाली ढंग से कार्य करती हैं।

संघ ने महिला सशक्तिकरण के लिये क्या काम किया,इसके उदाहरण भी मौजूद हैं। संघ प्रेरित अनेक महिला कार्यकताओं ने समाज में उल्लेखनीय काम किया है। आदिवासी क्षेत्रों में सैकड़ों संघ सेविकाएँ शिक्षा का दीपक जलाने का कार्य कर रही हैं। शहरी झुग्गियों में बालिकाओं के लिए चलाये जा रहे संस्कार केंद्र वहाँ की पीढ़ी को नयी दिशा दे रहे हैं। अनेक महिलाएं ग्राम विकास योजनाओं की अगुआई कर रही हैं। संघ साफ कहता है कि राष्ट्र निर्माण में महिला और पुरुष दोनों की बराबर भागीदारी आवश्यक है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ इस बात पर जोर देता रहा है कि महिला शक्ति और संस्कार राष्ट्र की धुरी है। यही कारण है कि संघ ने शिक्षण, स्वास्थ्य, सेवा और आत्मनिर्भरता के क्षेत्र में महिलाओं के लिए हजारों योजनाएं चलाईं। हालांकि, आलोचनाएँ भी कम नहीं हैं।

बहरहाल, यह सच है कि संघ की केन्द्रीय नेतृत्व संरचना में महिलाओं की औपचारिक भागीदारी नहीं है। लेकिन संघ यह मानता है कि अलग मंच बनाकर महिलाओं को राष्ट्रसेवा के लिए स्वतंत्र अवसर देना ही वास्तविक सम्मान है। अंततः यह कहना उचित होगा कि महिलाएं आज संघ प्रेरित प्रयासों से गाँव-गाँव और शहर-शहर में आत्मविश्वास और सम्मान के साथ खड़ी हो रही हैं। शिक्षा, स्वास्थ्य, संस्कृति और सेवा के क्षेत्र में उनका योगदान राष्ट्र निर्माण की मजबूत नींव रख रहा है।

शक्तियों की शक्ति मिशनशक्ति

-विक्रम दयाल

मिशनशक्ति कई उद्देश्यों को पूरा करता है, जिसमें महिलाओं को आर्थिक रुप से सशक्त बनाना, महिलाओं और बालिकाओं के साथ होने वाले अपराधों को रोकना, उन्हे सुरक्षा, सम्मान और आत्म-निर्भरता प्रदान करना और राष्ट्र निर्माण में उनकी भागीदारी सुनिश्चित करना शामिल है। इस मिशन के माध्यम से महिलाओं को ऋण, बाजार संपर्क, कानूनी और चिकित्सा सहायता, परामर्श और सुरक्षित आश्रय जैसी सेवायें प्रदान की जाती हैं, जिससे उनके जीवन में सकारात्मक बदलाव लाया जा सके। मिशनशक्ति के प्रमुख उद्देश्यः- महिला सशक्तिकरणः महिलाओं को लाभकारी गतिविधियों के माध्यम से सशक्त बनाना और उन्हें आर्थिक रुप से आत्मनिर्भर बनाना है। महिला सुरक्षाः महिलाओं और बालिकाओं के साथ होनेवाले अपराधों की रोकथाम के लिए एक सुरक्षित वातावरण तैयार करना है। सम्मान और स्वावलंबनः महिलाओं को सम्मानजनक जीवन जीने और आत्मनिर्भर बनने की अवसर प्रदान करना है। जागरुकताः सरकारी योजनाओं, कार्यक्रमों और उपलब्ध सेवाओं के बारे में लोगों को जागरुक करना। सेवाओं का एकीकरणः जरूरतमंद महिलाओं को चिकित्सा, कानूनी सहायता, अस्थायी आश्रय, पुलिस सहायता, और मनोसामाजिक परामर्श जैसी सेवाओं की एक एकीकृत श्रृंखला प्रदान करना है। राष्ट्र निमार्णः महिलाओं को राष्ट्र निर्माण में समान भागीदार बनाना और महिला नेतृत्व वाले विकास को बढ़ावा देना है। मिशनशक्ति का उद्देश्य महिलाओं को जीवन के हर पहलू को संबोधित करते हुए, सुरक्षा, सम्मान और आत्मनिर्भरता के माध्यम से उन्हें सशक्त बनाना है। मिशनशक्ति मतलब महिलाओं को सुरक्षित करने, उनका सशक्तिकरण करने, और समाज में उन्हें सम्मान दिलाने के लिए भारत सरकार और राज्य सरकारों द्वारा चलाए जा रहे विभिन्न कार्यक्रमों और पहलों का एक समूह है। यह दो मुख्य उपयोजनाओं, संबल (सुरक्षा) और सामर्थ्य (सशक्तिकरण) में विभाजित है, जो महिलाओं के जीवन के हर पहलू में सुधार लाने के लिए केंद्रित है। वैसे देखा जाय तो मिशन शक्ति शब्द के दो अलग अलग अर्थ हैं। एक भारत सरकार की महिला सुरक्षा और सशक्तिकरण योजना है, जिसके तहत महिलाओं की.सुरक्षा, सहायता और आत्मनिर्भरता सुनिश्चित की जाती है। दूसरा अर्थ 27 मार्च, 2019 को भारत से उपग्रह-रोधी मिसाइल परिक्षण का नाम था, जिसने पृथ्वी की निचली कक्षा में एक उपग्रह को सफलतापूर्वक मार गिराया। महिला सुरक्षा और सशक्तिकरण योजना(मिशन शक्ति): उद्देश्यः यह योजना भारत में महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान और आत्मनिर्भरता सुनिश्चित करने के लिए शुरू की गई है। जिसे मिशशक्ति के नाम से जाना जाता है। दरअसल महिलाओं के कल्याण के लिए ही मिशन शक्ति काम करती है।

एलन कोटा का विस्तारः पूर्णिया में मेडिकल व ओलंपियाड कोर्सेज की शुरूआत

पूर्णिया। देश के प्रसिद्ध एलन कॅरियर इंस्टीट्यूट ने बिहार के पूर्णिया में अपने शिक्षा सेवाओं का विस्तार किया है। अब पूर्णिया के विद्यार्थी अपने डॉक्टर बनने के सपने को वहीं पूरा कर सकेंगे, बिना किसी दूसरे शहर जाने की आवश्यकता के। यह घोषणा बुधवार को होटल मेफेयर में आयोजित उद्घाटन समारोह में की गई। एलन पूर्णिया में 2026-27 सत्र के लिए मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट-यूजी और कक्षा 6 से 10 तक के नेशनल व इंटरनेशनल साइंस ओलंपियाड कोर्सेज के लिए प्रवेश प्रक्रिया शुरू हो गई है। कक्षाएं जनवरी 2026 से प्रारंभ होंगी।पूर्णिया में लाइन बाजार काली मंदिर मार्ग पर फर्स्ट फ्लोर में एडमिशन ऑफिस बनाया गया है, जबकि क्लासरूम कैम्पस ग्लोबल डायग्नोस्टिक के सामने वर्मा आर्केड में होगा। इसके अलावा 10वीं बोर्ड परीक्षा की तैयारी के लिए बोर्ड मास्टर स्ट्रोक प्रोग्राम 20 नवंबर से शुरू होगा, जिसकी अवधि 80 दिन है। उद्घाटन समारोह में जोनल हेड एवं वाइस प्रेसिडेंट डॉ. विपिन योगी मुख्य अतिथि रहे। इसके साथ ही जेईई, नीट और जूनियर डिवीजन के जोनल हेड्स, एलन पटना के सेंटर हेड और कोटा की एक्सपर्ट फैकल्टी मौजूद रहे। छात्रों और अभिभावकों की मौजूदगी में पोस्टर विमोचन भी किया गया। डॉ. विपिन योगी ने बताया कि बिहार के सौ से अधिक छात्रों को आईआईटी और राज्य के मेडिकल कॉलेजों में प्रवेश मिल चुका है। वर्तमान में 13 हजार से अधिक विद्यार्थी एलन पटना में अध्ययनरत हैं। एलन पूर्णिया का सेंटर हेड सोमेन्द्र झा होंगे, जो पिछले 22 वर्षों से एलन में बायोलॉजी पढ़ा रहे हैं। एलन में प्रवेश के इच्छुक छात्र एलन स्पार्क एग्जाम में शामिल होकर 90 प्रतिशत तक की स्कॉलरशिप प्राप्त कर सकते हैं।

राष्ट्रीय सेवा योजना के तहत विद्यार्थियों का शैक्षणिक भ्रमण

मुंबई (उत्तरशक्ति)। जनसेवा समिति द्वारा संचालित श्रीमती टी. एस. बाफना कनिष्ठमहाविद्यालय, मालाड (पश्चिम) की छात्राओं को राष्ट्रीय सेवा योजना के अंतर्गत एक शैक्षणिक भ्रमण कराया गया। यह भ्रमण कॉलेज की एन.एस.एस. कार्यक्रम अधिकारी श्रीमती नीलम उपाध्याय , तृप्ति रूपारेलिया , सरस्वती कुंभार के नेतृत्व में आयोजित किया गया। विद्यार्थियों ने इस अवसर पर ग्रांट रोड स्थित मणि भवन का दौरा किया, जो राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के जीवन और कार्यों से जुड़ा एक महत्वपूर्ण ऐतिहासिक स्थल है। भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों ने गांधीजी के जीवन, उनके स्वतंत्रता संग्राम में योगदान और उनके आदर्शों के बारे में गहराई से जानकारी प्राप्त की। कॉलेज की प्राचार्या डॉ. दीपा शर्मा ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि ह्लऐसे भ्रमण विद्यार्थियों को न केवल इतिहास की गहराइयों से परिचित कराते हैं, बल्कि उनमें देशभक्ति, सामाजिक चेतना और सेवा भावना को भी प्रोत्साहित करते हैं। कॉलेज प्रबंधन ने कार्यक्रम की सफलता पर संतोष व्यक्त करते हुए भविष्य में भी इस प्रकार की शैक्षणिक गतिविधियाँ जारी रखने का संकल्प व्यक्त किया।

समाजवादी पार्टी के संस्थापक स्वर्गीय मुलायम सिंह यादव की पुण्य तिथि पर श्रद्धांजलि सभा का किया गया आयोजन

मुलुंड (उत्तरशक्ति)। मुंबई के मुलुंड नागरिक सभागृह हाल मुलुंड में समाजवादी पार्टी के संस्थापक एवं पूर्व रक्षा मंत्री तथा उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री रहे स्व. मुलायम सिंह यादव की तृतीय पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया । बतादें कि समाजवादी पार्टी मुलुंड व भांडुप विधानसभा द्वारा आयोजित इस श्रद्धांजलि सभा में स्वर्गीय मुलायम सिंह यादव की प्रतिमा पर माल्यार्पण व पुष्प अर्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की गयी । श्रद्धांजलि सभा के आयोजक सपा मुलुंड विधानसभा अध्यक्ष जीवन लाल यादव संयोजक ईशान्य मुंबई जिला सचिव रवींद्रनाथ यादव , समाजसेवक दीनानाथ यादव , भांडुप विधानसभा अध्यक्ष अनिल यादव , ईशान्य मुंबई प्रमुख महासचिव शशिकांत यादव , सपा नेता कीर्ति यादव , भांडुप वार्ड अध्यक्ष अफरोज आलम , वार्ड अध्यक्ष अखिलेश यादव , मृदुल गंगवानी युवक कांग्रेस महासचिव , सुनील यादव युवा फाउंडेशन राष्ट्रीय अध्यक्ष , सचिन यादव कांग्रेस नेता , हृदय लाल पटेल मुलुंड विधानसभा सचिव , राम मूर्ति पाल महासचिव मुलुंड विधानसभा , सुशील यादव , श्रीराम यादव , कैलाश सरोज आदि भारी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित थे ?। इस अवसर पर सपा नेता ईशान्य मुंबई महासचिव शशिकांत यादव ने कहा कि नेताजी का पूरा जीवन गांव, गरीब, किसान और मजदूरों के लिये समर्पित रहा जिसके लिए उन्हें धरतीपुत्र कहा गया। वहीं मृदुल गंगवानी ने कहा कि स्व. नेताजी गरीबों के मसीहा थे उन्होंने 1990 में मंडल आयोग की सिफारिशों को लागू कराने के लिए सरकार पर दबाव डाला और मंडल आयोग लागू करवाने मे आपका योगदान भुलाया नहीं जा सकता इसी क्रम में सचिन यादव ने कहा कि नेताजी जीवन भर गरीब मजदूर किसान और मजलूमों के हक की लड़ाई लड़ी, नेताजी जैसा नेता सदियों में पैदा होता है, हम सभी को उनके आदर्शों पर चलना चाहिए।

डाबर आंवला ने करवा चौथ को एक आधुनिक अंदाज में मनाया – प्यार, मजबूती और साझा परंपराओं की एक मजेदार कहानी

मुंबई/पटना। भारत के सबसे भरोसेमंद और पसंदीदा हेयर केयर ब्रांडों में से एक, डाबर आंवला हेयर ऑयल ने करवा चौथ पर एक ताजगी भरी पेशकश की है – यह दिन पारंपरिक रूप से प्यार, समर्पण और अपनेपन का प्रतीक है। ब्रांड की नई डिजिटल फिल्म एक युवा जोड़े, देव और मैगी के बीच एक हल्की-फुल्की लेकिन सार्थक बातचीत को दशार्ती है, जो इस बात पर मजेदार बहस कर रहे हैं कि करवा चौथ का व्रत रखना है या नहीं। इसके बाद एक दिलचस्प और अपनेपन से भरी बातचीत सामने आती है, जो यह दशार्ती है कि आज के जोड़े कैसे पुरानी परंपराओं को व्यक्तिगत पसंद और आपसी सम्मान के साथ संतुलित करते हैं। फिल्म का अंत एक खुशनुमा मोड़ पर होता है, जब मैगी अपनी डाबर आंवला की बोतल उठाती है – यह दर्शकों को याद दिलाता है कि जैसे डाबर आंवला बालों को अंदर से मजबूती देता है, वैसे ही सच्चे रिश्ते भी मजबूती, देखभाल और समझ की नींव पर बने होते हैं। इस अभियान के बारे में बात करते हुए, अंकुर कुमार, हेड ऑफ मार्केटिंग - हेयर केयर, डाबर इंडिया लिमिटेड, ने कहा, ₹डाबर आंवला हमेशा से अंदरूनी और बाहरी मजबूती का प्रतीक रहा है। इस अभियान के माध्यम से, हम करवा चौथ के बदलते सार का जश्न मनाना चाहते थे, जहां प्यार मजबूरी से नहीं, बल्कि साथ निभाने से व्यक्त होता है। यह आधुनिक रिश्तों का एक हल्का-फुल्का प्रतिबिंब है – जो मजबूत, बराबर और देखभाल पर आधारित हैं।

कृति सेनन कैंपस शूज के नए कैंपेन यू गो, गर्ल! में सामाजिक बंधनों को तोड़ती नजर आई

मुंबई/पटना। भारत के सबसे बड़े और सबसे तेजी से बढ़ते स्पोर्ट्स और एथलीजर ब्रांड्स में से एक कैंपस एक्टिववियर ने आज अपने चर्चित कैंपेन यू गो, गर्ल! का दूसरा अध्याय प्रस्तुत किया। इस बार भी इसकी पहचान बनी हैं राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता अभिनेत्री कृति सेनन। पहले अध्याय में जहाँ यू गो, गर्ल! कैंपेन ने महिलाओं को अपने फैशन और अंदाज को आत्मविश्वास से अपनाने के लिए प्रेरित किया था, वहीं इस साल का संस्करण उस सोच को और आगे ले जाता है। यह कैंपेन केवल फैशन तक सीमित नहीं है, बल्कि यह दिखाती है कि महिलाएँ किस तरह अपनी दुनिया गढ़ने की क्षमता रखती हैं और समाज के ठप्पों, रूढ़ धारणाओं और तयशुदा सोच से बेपरवाह होकर अपना जीवन जीने को स्वतंत्र हैं।

घनकचरा व्यवस्थापन कठिन नहीं, मानसिकता बदलने की जरूरत : उपायुक्त रामदास कोकरे

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। घनकचरा प्रबंधन कोई मुश्किल काम नहीं है, मुश्किल हमारी सोच है। यदि हम कर सकते हैं यह विश्वास जागृत हुआ, तो कोई भी गांव या शहर कचरा मुक्त बन सकता है। सबसे आसान और असरदार उपाय है - घर में ही कचरा अलग करना और अलग देना। जब तक सार्वजनिक जगहों पर पड़ा कचरा हमें अपनी आंख में गिरे कण जैसा नहीं खलेगा, तब तक समस्या खत्म नहीं होगी। यह प्रेरणादायी विचार कल्याण डोंबिवली महानगरपालिका के उपायुक्त रामदास कोकरे ने व्यक्त किये। जिला परिषद पालघर के पानी एवं स्वच्छता विभाग की ओर से जिले की प्रमुख ग्राम पंचायतों, नगर पंचायतों और पालिकाओं के लिए घनकचरा प्रबंधन विषयक कार्यशाला का आयोजन जननायक बिरसा मुंडा सभागृह, जिला परिषद पालघर में किया गया। इस कार्यशाला में रामदास कोकरे ने अपने अनुभवों के आधार पर मार्गदर्शन करते हुए बताया कि शून्य कचरा निर्माण के लिए तीन सरल मंत्र अपनाने जरूरी हैं – घर में कचरे का वर्गीकरण करना, कचरा सड़क पर न फेंकना और प्लास्टिक का उपयोग न करना। उन्होंने माथेरान, वेंगुर्ला और संगमनेर जैसे शहरों में चलाए गये सफल प्रयोगों के उदाहरण दिए – जैसे वेंगुर्ला का देश का पहला प्लास्टिक रोड, 100% मिट्टी की गणेश मूर्तियां, प्लास्टिक बैग बंदी पर जनजागरण, और स्कूलों में बच्चों के माध्यम से जागरूकता अभियान। कोकरे ने विश्वास जताया कि ऐसे उपक्रम पालघर जिले में भी सफलता से लागू किये जा सकते हैं। इस प्रशिक्षण में घनकचरा प्रबंधन की शाश्वत पद्धतियां, पुनर्वापर, वर्गीकरण, और स्थानीय स्तर पर प्रभावी समाधान जैसे विषयों पर सविस्तार मार्गदर्शन दिया गया। कार्यक्रम में मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनोज रानडे, अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी रवींद्र शिंदे, उपमुख्य कार्यकारी अधिकारी (पंचायत) अशोक पाटील, जिला पशुसंवर्धन अधिकारी डॉ. प्रकाश हसनालकर तथा उपमुख्य कार्यकारी अधिकारी अतुल पारसकर प्रमुख रूप से उपस्थित थे। मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनोज रानडे ने अपने संबोधन में कहा कि घनकचरा प्रबंधन के लिए दिखावटी उपायों की बजाय टिकाऊ और स्थायी समाधान जरूरी हैं। इस दिशा में रामदास कोकरे का मार्गदर्शन जिले के लिए निश्चित रूप से उपयोगी सिद्ध होगा। इस अवसर पर खानिवली ग्राम पंचायत के सरपंच भरत हजारे ने अपने गांव में चलाए जा रहे स्वच्छता अभियानों की जानकारी साझा की, वहीं पानी एवं स्वच्छता विभाग के आईईसी सलाहकार आत्माराम विशे ने जिले में जारी स्वच्छता ही सेवा अभियान के बारे में बताया। इस कार्यशाला में जिलेभर से ग्राम पंचायतों के सरपंच, ग्राम पंचायत अधिकारी, नगर परिषद और पालिका कर्मचारी बड़ी संख्या में शामिल थे। प्रतिभागियों ने कहा कि इस प्रशिक्षण से जिले में स्वच्छता अभियान को नई गति और दिशा मिलेगी।

कृपाशंकर सिंह ने हैदरपुर की घटना को लेकर जताई चिंता

मुंबई (उत्तरशक्ति)। महाराष्ट्र के पूर्व गृह राज्यमंत्री तथा जौनपुर लोकसभा के पूर्व प्रत्याशी कृपाशंकर सिंह ने हैदरपुर की घटना को लेकर गहरी चिंता जताते हुए जौनपुर के जिलाधिकारी दिनेश चंद्र तथा पुलिस अधीक्षक डॉ. कौस्तुभ को फोन कर मरीजों की जान से खिलवाड़ करने वाले लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने की अपील की है। उन्होंने कहा कि हैदरपुर बाजार के एक मेडिकल स्टोर संचालक द्वारा दवा के लिए आए उसी गांव के निवासी शिवपूजन यादव के 8 वर्षीय पुत्र यश यादव को इंजेक्शन लगाने से हुई उसकी मौत की खबर से वे अत्यंत आहत हैं। उन्होंने कहा कि जीवन की रक्षा करने वाले लोग ही यदि जीवन लेने लगेंगे तो बड़ी विकट समस्या खड़ी हो जाएगी। उन्होंने कहा कि उन्होंने जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक से आरोपी के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने के साथ-साथ इस बात को भी सुनिश्चित करने के लिए कहा है कि भविष्य में इस तरह की घटना का पुनरावर्तन ना हो।

गांजा तस्करी में लिप्त 13 लोगों पर लगा मकोका

आंध्रप्रदेश के जंगलों में पुलिस ने की रेड

कल्याण (उत्तरशक्ति)। कल्याण- परिमंडल-3 पुलिस ने ड्रग्स तस्करी में लिप्त एक ही गैंग के 13 सदस्यों पर मकोका के तहत कार्रवाई की है। परिमंडल-3 के डीसीपी अतुल झेंडे और एसीपी कल्याणजी घेटे के मार्गदर्शन में कल्याण पुलिस ने यह बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया है। गौरतलब हो कि बीते अगस्त महीने में कल्याण डीसीपी स्क्वाड को बड़ी कामयाबी हाथ लगी थी। पुलिस ने आंध्रप्रदेश के विशाखापटनम के जंगलों में रेड कर ड्रग्स स्मगलिंग रैकेट का पदार्फाश किया था। इस कार्रवाई में पुलिस ने अभी तक 115 किलो गांजा जप्त किया जिसकी कीमत 70 लाख रुपये बताया गया है । पुलिस ने अभी तक इस पूरे मामले में 13 आरोपियों को गिरफ्तार कर चुकी है । पिछले डेढ़ महीने से पुलिस की टीम इस केस की मुस्तैदी से जांच कर रही थी। यही कारण है कि अब इस गैंग के मुख्य सरगना को पकड़ने में कल्याण पुलिस सफल हुई है।

ड्रग्स तस्करी में शामिल गिरोह के मुख्य सरगना गुफरान शेख जो बनेली, टिटवाला का रहने वाला बताया जा रहा है। गुफरान सहित इस गिरोह के 13 लोगों की गिरफ्तारी की गई है। और उनका पिछला रेकॉर्ड देखते हुए कल्याण पुलिस ने उनपर मकोका एक्ट के तहत कार्रवाई की है। गुफरान के साथ बाबर शेख, सुनील राठौड़, आजाद शेख, रेशमा शेख, शुभम उर्फ सोन्या भंडारी, आसिफ शेख, सोनू सय्यद, प्रथमेश नलवड़े, रितेश गायकवाड़, अंबादास खामकर, आकाश भीताड़े, योगेश जोध को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। यह सभी महाराष्ट्र के अलग-अलग शहर के रहने वाले बताए गए हैं। पुलिस के अनुसार इस गैंग के चार अन्य मेंबर अभी-भी पुलिस की पहोंच से बाहर है, जिन्हें पुलिस तलाश कर रही है।

श्री गणेशनाथ महाराज संस्थान का वर्ष 2026 कैलेंडर का विमोचन सम्पन्न

मुंबई (उत्तरशक्ति)। श्री गणेशनाथ महाराज संस्थान, शिवथरघळ सुंदर मठ, रामदास पठार की वर्ष 2026 की कैलेंडर का लोकार्पण घाटकोपर में उत्साहपूर्वक संपन्न हुआ। इस कैलेंडर का प्रकाशन सुंदर मठ रामदास पठार के शोधकर्ता एवं अध्येता महंत सद्गुरु श्री अरविंदनाथ महाराज के करकमलों से किया गया।

शिवस्फूर्ति सभागृह में आयोजित इस समारोह में गुरुदर्शन कार्यक्रम तथा प्रवचन का आयोजन किया गया था। महंत अरविंदनाथ महाराज ने गुरुचरणी ठेविता भाव आपोआप भेटे देव इस अभंग पर आधारित सुंदर प्रवचन देते हुए अध्यात्म, साधना और गुरु-शिष्य परंपरा का सार समझाया।

इस अवसर पर प्रकाशित कैलेंडर में शिवथरघळ सुंदर मठ, रामदास पठार, तथा दासबोध ग्रंथ के जन्मस्थान से जुड़ी जानकारी, वार्षिक पंचांग, विविध त्यौहारों एवं धार्मिक अवसरों से संबंधित उपयोगी जानकारी सम्मिलित है।

लोकार्पण समारोह में श्री गणेशनाथ महाराज संस्थान के घाटकोपर विभाग के अध्यक्ष निवृत्ती वाडकर, सचिव नामदेव करंजे, कोषाध्यक्ष दत्ताराम पवार, तथा संतोष पवार, सुभाष पवार, सुरेश पवार, सोनू मालुसरे, प्रदीप उतेकर, संजय उतेकर, तुकाराम मोरे, वसंत जूनघरे, ज्ञानोबा पवार सहित अनेक गणमान्य उपस्थित थे।

संगीता कॉलोनी में नाली निर्माण कार्य का भूमिपूजन सम्पन्न

- महेश गायकवाड़ के हांथो भूमिपूजन
- सांसद की निधि के लिए मधुर म्हात्रे का अथक प्रयास

कल्याण (उत्तरशक्ति)। शिवसेना के पूर्व शहर प्रमुख महेश गायकवाड़ ने शुक्रवार को कल्याण के खड़ेगोलवली पूर्व स्थित संगीता कॉलोनी में नाली निर्माण कार्य का भूमिपूजन किया। इस अवसर पर मधुर म्हात्रे और उनका पूरा परिवार उपस्थित था ।

इस कार्य को करने के लिए मधुर म्हात्रे ने सांसद श्रीकांत शिंदे से निधि प्राप्त करने के लिए अथक प्रयास किए, जिसके कारण आज यह कार्य संभव हो पाया है।

आपको बता दें कि सांसद श्रीकांत शिंदे ने नालियों के निर्माण के लिए 25 लाख रुपये की निधि प्रदान की है - इससे पहले इस क्षेत्र में सांसद श्रीकांत शिंदे की 25 लाख रुपये की निधि से एक बड़े नाले का जल निकासी का कार्य किया गया था - इसी तरह शुक्रवार को नालियों के निर्माण के लिए 25 लाख रुपये का भूमिपूजन किया गया।

इस अवसर पर पूर्व उप महापौर उमेश म्हात्रे, पूर्व नगरसेविका मेघा म्हात्रे, शाखा प्रमुख पवन गावड़े, रितेश राजपूत, चिकित्सा सहायक नीलेश म्हात्रे, उप शहर अधिकारी रोहित राजपूत, तेजस देवकाते, सामाजिक कार्यकर्ता ओम सर, राकेश मिश्रा, जयदीप गव्हाले, शाखा संयोजिका स्वाति नरवाड़े, माधुरी सुरवाड़े, युवा सिपाही शिव सिंह, राम शिर्के, इम्तियाज शेख, दिनेश गुप्ता, सहित बड़ी संख्या में महिला और पुरुष उपस्थित थे।

श्री साईंराज को-ऑपरेटिव क्रेडिट सोसायटी लिमिटेड ने कावड़ियों को किया सम्मानित

पालघर(उत्तरशक्ति)। पवित्र सावन माह में भगवान भोलेनाथ के प्रति आस्था और श्रद्धा का प्रतीक मानी जाने वाली कावड़ यात्रा में शामिल कावड़ियों को पालघर जिले के बोईसर तारापुर एमआईडीसी क्षेत्र के सालवड ग्राम पंचायत अंतर्गत शिवाजी नगर स्थित श्री साईंराज को-ऑपरेटिव क्रेडिट सोसायटी लिमिटेड द्वारा सम्मानित किया गया।

श्री साईंराज को-ऑपरेटिव क्रेडिट सोसायटी लिमिटेड की ओर से कावड़ यात्रा में शामिल कावड़ियों को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। यह सम्मान कावड़ियों के वेशभूषा व कावड़ की सजावट के मानक को आधार बनाकर दिया गया। वहीं कावड़ियों के साथ-साथ उन समाजसेवी संगठनों के प्रमुखों व समाजसेवियों को भी सम्मानित किया गया जिन्होंने कावड़ियों की यात्रा को सुगम, सुरक्षित और व्यवस्थित बनाने में विशेष सहयोग दिया। श्री साईंराज को-ऑपरेटिव क्रेडिट सोसायटी लिमिटेड के अध्यक्ष गिरजेश राजकिशोर सिंह ने हमारे संवाददाता अजीत सिंह से बातचीत में बताया कि सावन मास श्रद्धा और सेवा का प्रतीक है। भगवान शिव के भक्तों द्वारा की जाने वाली कावड़ यात्रा में निस्वार्थ भाव से सेवा करने वालों को प्रोत्साहित करना हमारा कर्तव्य है। इस तरह के आयोजन से समाज में धार्मिक सौहार्द और सेवा भावना दोनों को बल मिलता है। उन्होंने आगे बताया कि संस्था सदैव समाज के हर वर्ग के सहयोग के लिए तत्पर रहती है, और आगे भी इस प्रकार के सामाजिक, धार्मिक एवं जनहित के कार्यों में सक्रिय भूमिका निभाती रहेगी। सभी ने संस्था द्वारा किये गये इस सराहनीय उपक्रम की प्रशंसा की और इसे समाज में सेवा व श्रद्धा का सुंदर संगम बताया।

फेम ने करवा चौथ पर नया अभियान शुरू किया

मुंबई। डाबर समूह के भारत के प्रमुख फेयरनेस ब्रांड फेम, ने एक नया अभियान शुरू किया है जो आज की दुनिया में प्रेम और नारीत्व को मनाने के अर्थ को फिर से परिभाषित करता है। इसमें प्रसिद्ध हसल फेम रैपर अग्सी को दिखाया गया है, यह फिल्म करवा चौथ की परंपराओं को एक ताजा, बेबाक नजरिए से देखती है - जहाँ भक्ति का मेल व्यक्तित्व से होता है और रीति-रिवाज समय के साथ विकसित होते हैं।अपने शक्तिशाली गीतों और आत्मविश्वास से भरी ऊर्जा के माध्यम से, अग्सी आधुनिक महिला की आवाज को दशार्ती हैं - वह जो रीति-रिवाजों को अपनी शर्तों पर अपनाती है, बिना उनके द्वारा परिभाषित हुए। यह अभियान नारीवाद के लिए एक सम्मान है झ्र महिलाएँ अपने फैसलों की मालिक हैं, अपनी विलक्षणता में मजबूती से खड़ी हैं, और आत्म-अभिव्यक्ति में शक्ति पाती हैं। फेम सौंदर्य से परे महिलाओं को सशक्त बनाने की अपनी विरासत को जारी रखता है - उन्हें न केवल प्रेम, बल्कि स्वयं होने के साहस का भी जश्न मनाने के लिए प्रेरित करता है। इस करवा चौथ, फेम हर महिला को याद दिलाता है कि वह अपने तरीके से प्रेम का, शक्ति का, और अपनी चमक का जश्न मनाए।

डाबर इंडिया लिमिटेड के स्किनकेयर मार्केटिंग हेड, श्री विराट खन्ना ने कहा, ₹फेम में, हमने हमेशा माना है कि एक महिला की चमक सतह से कहीं ज्यादा गहरी होती है झ्र यह उसके आत्मविश्वास, उसके फैसलों और उसकी ताकत का प्रतिबिंब है। डाबर इंडिया लिमिटेड की डीजीएम , जसलीन कोहली ने कहा, नारीवाद की सच्ची चमक महिलाओं से आती है, जो अपनी आवाज और फैसलों की मालिक हैं। डिजिटल उस सशक्तिकरण के लिए नया मंच बन गया है – जहाँ आत्म-अभिव्यक्ति आत्मविश्वास को बढ़ावा देती है। यह अभियान उसी बेबाक चमक का जश्न मनाता है।

श्री खन्ना ने आगे कहा, इस करवा चौथ, हमें उन महिलाओं का जश्न मनाते हुए गर्व है जो प्रेम के लिए व्रत रखती हैं, फिर भी स्वतंत्रता का आनंद लेती हैं अपने अनोखे ढंग से रीति-रिवाजों को अपनाती हैं। फेम के साथ, हम सिर्फ.चमक नहीं बढ़ा रहे हैं; हम आत्म-अभिव्यक्ति और सशक्तिकरण की भावना का समर्थन कर रहे हैं जो सचमुच आज की महिला को परिभाषित करती है। हमारा करवा चौथ अभियान फेम के मूल सिद्धांत को दशार्ता है कि एक महिला की सच्ची चमक तभी सामने आती है जब वह आत्मविश्वास से भरी होती है।

BITSoM टेस्ट फॉर ऑनलाइन प्रोग्राम्स लॉन्च

मुंबई। बिरला इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड साइंस स्कूल ऑफ मैनेजमेंट ने मसाई के सहयोग से ऑल इंडिया BITSoM टेस्ट फॉर ऑनलाइन प्रोग्राम्स (TOP-2025) लॉन्च करने की घोषणा की है। यह देशव्यापी ऑनलाइन परीक्षा छात्रों को बिजनेस और टेक्नोलॉजी के विभिन्न प्रोफेशनल कार्यक्रमों के लिए पात्र बनने और अपने स्कोर के आधार पर कोर्स चयन करने में सक्षम बनाएगी। यह परीक्षा 12 अक्टूबर को होगी और इसमें अंकों पर आधारित कोर्स चयन मॉडल लागू होगा, जिससे छात्र अपने सेक्शनवार प्रदर्शन के आधार पर अपनी पसंद का कार्यक्रम चुन सकेंगे। इस पहल का उद्देश्य प्रबंधन और प्रौद्योगिकी शिक्षा को अधिक सुलभ और लचीला बनाना है - इसके लिए एकल मूल्यांकन प्रणाली के माध्यम से छात्रों को पढ़ाई के अलग-अलग अवसर प्रदान किये जाएंगे। इस टेस्ट के माध्यम से छात्र BITSoM के छह महीने के ऑनलाइन कार्यक्रमों जैसे प्रोडक्ट मैनेजमेंट, बिजनेस एनालिटिक्स, फिनटेक और डिजिटल मार्केटिंग में आवेदन कर सकेंगे। प्रत्येक कार्यक्रम में एआई को केंद्र में रखा गया है, जिससे छात्रों को एआई-आधारित टूल्स, एनालिटिक्स और डेटा-आधारित निर्णय लेने की उन्नत क्षमताओं में प्रशिक्षित किया जा सके।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय :
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामीः शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति, समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

मेडिकल स्टोर संचालक ने लगाई सुई, 8 वर्षीय बालक की हुई मौत

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। तेजीबाजार थाना क्षेत्र के हैदरपुर बाजार में गुरुवार की शाम करीब 6 बजे एक मेडिकल स्टोर संचालक द्वारा तबियत खराब 8 वर्षीय बालक को लगाई गई सुई से मौत हो गई। घटना से नाराज परिजनों ने शव सड़क पर रख रोड जाम कर दिया। थोड़ी ही देर में जुटे ग्रामीणों ने मेडिकल स्टोर में तोड़फोड़ करते हुए घर के पीछे पहुँच खड़ी कार एवं बाइक में आग लगाकर जलाने के बाद घर में भी घुसकर आग लगा दिया। सूचना मिलते ही पुलिसकर्मियों के साथ पहुँचे थानाध्यक्ष ने घटना की जानकारी उच्चाधिकारियों को दी। घटना

की सूचना मिलते ही पूर्व सांसद धनन्जय सिंह ने भी पहुँच मृतक परिजनों को समझाने बुझाने में लगे हुए है। हैदरपुर गांव निवासी शिवपूजन यादव का 8 वर्षीय पुत्र युग यादव की पेट में दर्द होने की शिकायत पर शाम को परिजन बाजार पहुँचे जहां देवी मेडिकल स्टोर के संचालक ने युग को इंजेक्शन लगा दिया। परिजनों के अनुसार इंजेक्शन लगने के कुछ देर बाद ही युग की मौत हो गई। घटना की जानकारी परिजनों को हुई तो घर में कोहराम मच गया। परिजन व ग्रामीणों की भीड़ बाजार में आ गई। महिलाएं शव रख बक्शा तेजीबाजार लोहिन्दा मार्ग को जाम कर दिया। उधर कुछ आक्रोशित ग्रामीण मेडिकल स्टोर में घुस जमकर तोड़फोड़ करतें हुए घर में घुस पीछे खड़ी कार एवं बाइक में आग लगा दिया। उत्तेजित लोगों ने घर में भी आग लगा दिया। परिजन मेडिकल स्टोर संचालक पर कार्यवाही की मांग को लेकर लोग हंगामा करतें रहें। सूचना पर पहुँचे थानाध्यक्ष ने घटना की जानकारी सीओ सदर परमानन्द कुशवाहा को दी। थोड़ी ही देर में बक्शा, बदलापुर, सिकरारा सहित चार थानों की फोर्स तैनात हो गई।

निजी अस्पताल संचालक भी मरीजों के प्रति रखें सेवा भाव: डॉ.दिनेश चंद्र

डॉ.इम्तियाज अहमद सिद्दीकी

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिलाधिकारी ने कहा जौनपुर जनपद विकास की तरफ तेजी से है अग्रसर, फ्लाई ओवर, रिंगरोड, गोरखपुर-प्रयागराज फोरलेन हाइवे का गोमती पुल बन जाने पर दिखेगा जिले का विकास कार्य ल जौनपुर,

साल्वेशन की शाम-सेना के नाम

बुधवार आठ अक्टूबर को लखनऊ फोरलेन किनारे स्थित कन्धरपुर गांव में पूर्वांचल के मेदांता रूपी अस्पताल का गवाह सैकड़ों लोग बने। यहां 'कंट्रीब्यूटी हेल्थ स्कीम' की जानकारी 'साल्वेशन फाउंडेशन' के प्रबन्ध निदेशक प्रतीक श्रीवास्तव ने दी। इसका शुभारम्भ जिलाधिकारी जौनपुर डॉ.दिनेश चंद्र ने किया।

इससे पूर्व प्रबंधन टीम का हिस्सा रुचि श्रीवास्तव, डॉ.विवेक श्रीवास्तव व डॉ.प्रियंका श्रीवास्तव के साथ साधना सिंह, नितिन सिंह ने अतिथियों का स्वागत किया। यह कार्यक्रम शाम पांच से रात 11 बजे तक चला। इसमें शहर और

पूर्वांचल के विभिन्न जनपदों के चिकित्सक व मीडिया के लोग भी सहभागी बने। जिलाधिकारी ने 25 पूर्व फौजियों में ब्रिगेडियर से लेकर सूबेदार और जवानों को प्रतीक चिन्ह और शाल देकर सम्मानित किया। जबकि संस्थान के प्रतीक श्रीवास्तव, रुचि श्रीवास्तव, डॉ.प्रियंका श्रीवास्तव, साधना सिंह, नितिन सिंह ने मीडिया कर्मियों का सम्मान किया।

मुख्य अतिथि जिलाधिकारी जौनपुर डॉ.दिनेश चंद्र ने पूर्व फौजियों के सपरिवार इलाज की सुविधा का शुभारम्भ के बाद कहा कि मैने यहां की सुविधाओं का निरीक्षण किया। वाकई यहां मेट्रो सिटी वाले अस्पतालों जैसी सुविधाएं हैं। अब तो पूर्व सैनिक परिवारों के इलाज भी यहां होंगे।

देश के रक्षकों को अब इलाज के लिए दूर नहीं जाना पड़ेगा। साल्वेशन फाउंडेशन से उन्होंने गरीब मरीजों के इलाज मुफ्त में किये जाने की अपेक्षा भी जताई। उन्होंने इस दौरान सरकारी व निजी अस्पतालों के चिकित्सकों से आमजन के बेहतरीन इलाज की बात कही, यह भी चेतावनी दी कि यदि कहीं से किसी के यहां की शिकायत मिली कि मरीजों को बरगलाया या भटकाया जा रहा है तो उसके खिलाफ सख्त कदम उठाने में हम संकोच नहीं करेंगे। इसी कड़ी में उन्होंने केन्द्र व राज्य सरकार की विकास योजनाओं की जानकारी विस्तार से दी।

उन्होंने बताया कि अब जौनपुर का विकास दिखाई देगा। रोड जाम खत्म होंगे रेलवे क्रसिंग और गोमती नदी पर फ्लाई ओवर और पुल बनने से वाराणसी- लखनऊ और गोरखपुर-प्रयागराज फोरलेन की यात्रा सुगम होगी। निमार्णाधीन रिंग रोड और फ्लाई ओवर यातायात को अधिक सुगम बना देगा। उन्होंने जिले के विकास में आमजन, युवाओं और मीडिया का सहयोग मांगा। बताया की जनपद युवाओं को रोजगार दिलाने में प्रदेश में अव्वल हो चुका है। इस दौरान अदाकार सलमान शेख की टीम ने राष्ट्रीयता से ओतप्रोत गीत और लघु नाटिका से दर्शकों को बांधे रखे। समारोह का समापन रात 11 बजे हुआ।

मुख्य न्यायाधीश पर हमले के खिलाफ आम आदमी पार्टी का जोरदार प्रदर्शन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। उत्तर प्रदेश के जौनपुर जिले में आज मुख्य न्यायाधीश भूषण गवई पर हुए कथित हमले के खिलाफ आम आदमी पार्टी जौनपुर (आप) के कार्यकर्ताओं ने कलेक्ट्रेट पर जोरदार प्रदर्शन किया। भारी संख्या में एकत्रित कार्यकर्ताओं ने संविधान की रक्षा और सामाजिक न्याय की मांग को लेकर नारेबाजी की तथा प्रशासनिक अधिकारी को जिलाधिकारी कार्यालय पर ज्ञापन सौंपा। प्रदर्शन का नेतृत्व पूर्वांचल प्रांत प्रभारी डॉ. अनुराग मिश्रा ने किया। अध्यक्षता जिलाध्यक्ष राम रतन विश्वकर्मा ने किया। संचालन जिला महासचिव विनोद प्रजापति ने किया।

मुख्य न्यायाधीश के अपमान पर आप पार्टी कार्यकर्ताओं ने भरी न्याय की हुंकार

उक्त कार्यक्रम में प्रमुख रूप से शामिल हुए काशी प्रांत उपाध्यक्ष सूर्य नारायण सिंह मुन्ना, जिला कोषाध्यक्ष विद्याधर मिश्रा, निवर्तमान जिला मीडिया प्रभारी अतुल कुमार तिवारी, पूर्व जिलाध्यक्ष राजेश अस्थाना, सोम वर्मा, व्यापार प्रकोष्ठ प्रदेश सचिव बंटी अग्रहरी, जफर मसूद, ओबीसी प्रकोष्ठ उपाध्यक्ष विनय यादव, ओबीसी प्रकोष्ठ सचिव विशाल यादव, आशीष यादव, राज बहादुर पाल, दिनेश कुमार, सुरेंद्र यादव, आफताब, अनिल यादव, कमलेश, अभिषेक कुमार, मो इस्लाम, यादवेंद्र इत्यादि लोग शामिल हुए।

पूर्वांचल प्रांत प्रभारी डॉ अनुराग मिश्रा ने कहा जिन्होंने भाजपा-आरएसएस पर सीधा प्रहार करते हुए इसे संविधान पर सुनियोजित साजिश करार दिया। प्रदर्शन सुबह 11 बजे पार्टी के केंद्रीय कार्यालय से शुरू हुआ, जहाँ कार्यकर्ता ट्राइकलर, बैनर और पोस्टरों के साथ सड़कों पर उतर पड़े। कलेक्ट्रेट पहुँचते ही सैकड़ों कार्यकताओं ने जय भीम संविधान जिंदाबाद और भाजपा-आरएसएस मुदार्बाद के नारे लगाते हुए धरना दिया। ज्ञापन में मांग की गई है कि मुख्य न्यायाधीश पर हमले की साजिश का पूरा खुलासा हो, दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की जाए तथा न्यायपालिका की स्वतंत्रता सुनिश्चित की जाए।

खचीर्ली शादी हमें बनाती है दरिद्र, सामूहिक विवाह दहेज का समाधान: चन्दन सेठ

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जलालपुर सामाजिक संस्था जेब्रा फाउण्डेशन ट्रस्ट के नेतृत्व में सामूहिक विवाह कार्यक्रम हेतु जिले भर में आमंत्रण पत्र वितरण का कार्य प्रारंम्भ कर दिया गया है। इसी सिलसिले में जिले के त्रिलोचन महादेव बाजार निवासी भोजपुरी फिल्म अभिनेता चन्दन सेठ ने शुक्रवार को प्रेसवार्ता की जिसमें इन्होने कहा कि दहेज पूरे हिन्दुस्तान का एक ज्वलंत मुद्दा है।जिसके खिलाफ गांव-गांव तथा हर घर-घर से आवाज उठनी चाहिए और हम सबको साथ में मिलकर जन-जन को जागरूक करने की आवश्यकता है। जिससे चारों दिशाओं से बस एक ही आवाज आये, दहेज से करो परहेज, आदर्श विवाह करने के लिए प्रोत्साहित करें। इसी कार्य में सामाजिक संस्था जेब्रा फाउण्डेशन ट्रस्ट द्वारा चलाया जाने वाला अभियान वाकई काबिले तारीफ है। इससे लोगों में जागरूकता आएगी। इस कुप्रथा को सही

मायनों में हम-आप ही बढ़ावा दे रहे हैं। इसे अगर हम ना कहेंगे तो समाज में एक उदाहरण बनेंगे और लाखों पिताओं की भी चिंता कम करेंगे जो बेटी के जन्म लेते ही शोक में डूब जाते हैं। सोचिए यह कैसी विडंबना है कि बेटे के जन्म पर ढोल बाजे और लड़की के जन्म पर शोक संतप्त परिवार। यह प्रथा न सिर्फ लड़को के आत्मसम्मान को गिराती बल्कि महिलाओं के सम्मान के खिलाफ भी है। अमीर पिता तो इस दहेज के दंश को खुशी से झेल जाते हैं उनको आत्मसम्मान और बेटी की खुशी नजर आती है लेकिन गरीब और मध्यमवर्गीय पिता पर जब यह बोझ आता है तो उनके सामने बहुत बड़ी समस्या खड़ी हो जाती है। उनको भी बेटी की खुशी तथा अपना सम्मान प्यारा लगता है परन्तु वे अपनी गरीबी में रोटी, कपड़ा, मकान तक ही सीमित है। इतना कम नही कि वे अपने बच्चों को शिक्षित बना लेते है।दहेज लेने वाले सिर्फ एक बार मांग नही करते बल्कि इसकी आग में लड़की हर दिन हर रोज ससुराल में जलती है। ऐसे में जरूरी है कि दहेज को ना कह दे जिससे लड़की का सम्मान बना रहे। अधिक खचीर्ली शादी हमें दरिद्र बनाती है, सामूहिक विवाह दहेज का समाधान उक्त बातें जेब्रा फाउण्डेशन ट्रस्ट के अध्यक्ष संजय सेठ ने कही। इस अवसर पर व्यापार मंडल अध्यक्ष अनुराग वर्मा, मोनू सेठ, संगम जायसवाल, सुदर्शन मिश्रा, राज यादव, अभिषेक वर्मा, राजेंद्र सेठ इत्यादि लोग मौजूद रहे।

जन्म पंजीकरण प्रक्रिया में सुधार की माँग

नागरिकों के मौलिक अधिकारों की सुरक्षा के लिए सौंपा गया ज्ञापन

आजमगढ़ (उत्तरशक्ति)। जिले में जन्म पंजीकरण प्रक्रिया में व्याप्त जटिलताओं और अस्पष्टता को लेकर आज मानवाधिकार कार्यकताओं और किसान नेताओं ने जिलाधिकारी आजमगढ़ को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में जन्म पंजीकरण की प्रक्रिया में पारदर्शिता, सरलता और नागरिकों के मौलिक अधिकारों की रक्षा हेतु ठोस कदम उठाने की माँग की गई।

ज्ञापन में यह बताया गया कि वर्तमान व्यवस्था में गरीब और ग्रामीण परिवारों को अपने बच्चों का जन्म प्रमाणपत्र बनवाने में गंभीर दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। एक ही माता-पिता की अनेक संतानों के लिए अलग-अलग शपथ-पत्र की अनिवार्यता, एक वर्ष से अधिक पुराने जन्मों के लिए अस्पष्ट प्रक्रिया, तथा गैर-संस्थागत (घर या अपंजीकृत नर्सिंग होम में) जन्मों के पंजीकरण

में आने वाली बाधाएँ नागरिकों के अधिकारों का हनन कर रही हैं।

मानवाधिकार कार्यकर्ता तारिक शफीक ने कहा कि जन्म प्रमाणपत्र हर नागरिक का मूल अधिकार है। प्रशासनिक जटिलताओं और अस्पष्ट दिशानिदेर्शों के कारण गरीब तबके के बच्चे अपनी पहचान से वंचित रह रहे हैं। सरकार को चाहिए कि जन्म पंजीकरण की प्रक्रिया को पारदर्शी, सरल और समान रूप से लागू करने हेतु तत्काल दिशा-निर्देश जारी करे।

मानवाधिकार कार्यकर्ता मोहम्मद अकरम ने कहा कि गैर-संस्थागत जन्मों के लिए दाई, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता या दो गवाहों के प्रमाण को मान्यता दी जानी चाहिए ताकि ग्रामीण और वंचित परिवारों को राहत मिल सके।

किसान नेता राजीव यादव ने कहा कि जब तक प्रशासन गरीबों की पहुंच वाली प्रक्रिया नहीं बनाएगा, तब तक सामाजिक न्याय अधूरा रहेगा। पंजीकरण को लेकर स्पष्ट नीति जारी की जानी चाहिए।

किसान नेता वीरेंद्र यादव ने कहा कि एक ही परिवार के कई बच्चों के लिए अलग-अलग शपथ-पत्र बनवाना न तो व्यावहारिक है और न ही न्यायसंगत। इसे तत्काल समाप्त किया जाना चाहिए।

किसान नेता विनोद यादव ने कहा कि गाँवों में अधिकतर प्रसव घर पर या छोटे क्लीनिकों में होते हैं, इसलिए ऐसी स्थितियों के लिए अलग और सरल व्यवस्था आवश्यक है।

किसान नेता अवधेश यादव ने भी इस मुद्दे पर एकजुटता दिखाते हुए कहा कि प्रशासन को आम नागरिकों के हित में त्वरित कार्रवाई करनी चाहिए।

ज्ञापन में माँग की गई कि एकीकृत शपथ-पत्र प्रणाली लागू की जाए, एक वर्ष से अधिक पुराने जन्मों के लिए स्पष्ट दिशा-निर्देश जारी हों, और गैर-संस्थागत जन्मों के लिए मान्यता प्राप्त वैकल्पिक प्रमाण प्रणाली सुनिश्चित की जाए।

ज्ञापन देने वालों में तारिक शफीक, मोहम्मद अकरम, राजीव यादव, वीरेंद्र यादव, विनोद यादव और अवधेश यादव शामिल रहे।

संपादक स्वतंत्र कुमार का सनातन सेना प्रमुख सुरजीत सिंह ने किया सम्मान

संपादक स्वतंत्र कुमार बोले– पत्रकारिता समाज का दर्पण

मुंबई (उत्तरशक्ति)। दैनिक समाचार के संपादक स्वतंत्र कुमार का सनातन सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरजीत सिंह ने भव्य स्वागत एवं सम्मान समारोह किया इस अवसर पर संपादक स्वतंत्र कुमार तथा मुंबई ब्यूरो प्रमुख हंसराज कनौजिया ने पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका अभिनंदन किया।

कार्यक्रम के दौरान सामाजिक पत्रकारिता को सशक्त बनाने और जनहित आधारित समाचारों की प्राथमिकता जैसे विषयों पर सार्थक एवं सकारात्मक चर्चा हुई। उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों ने कहा कि पत्रकारिता को समाज के उत्थान और परिवर्तन का माध्यम बनना चाहिए। अपने विचार रखते हुए

सुरजीत सिंह ने कहा कि पत्रकारिता समाज का दर्पण है, और जब यह जनसरोकारों से जुड़ती है तो राष्ट्र निर्माण की सबसे बड़ी शक्ति बन जाती है।

वहीं संपादक स्वतंत्र कुमार ने कहा कि सदैव जनपक्षीय पत्रकारिता के प्रति समर्पित रहा है। ऐसे संवाद समाज में नई दिशा देने का कार्य करते हैं। कार्यक्रम के अंत में अतिथियों को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। पूरे आयोजन का वातावरण सौहार्दपूर्ण, प्रेरणादायक एवं विचारोत्तेजक रहा।

बिजली कनेक्शन के लिए किसान का धरना

जेई पर लापरवाही का आरोप, अनिश्चितकालीन आंदोलन की दी चेतावनी

दिनेश विश्वकर्मा

बरसठी,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। बिजली कनेक्शन के लिए किसान का धरना, जेई पर लापरवाही का आरोप। चेतावनी दी अनिश्चितकालीन आंदोलन की बरसठी क्षेत्र के दाऊदपुर कोटिया गांव निवासी किसान संजय कुमार सरोज पिछले तीन दिनों से 33/11 केवी विद्युत उपकेंद्र गोपालपुर पर धरने पर बैठे रहे। किसान का आरोप है कि कृषि नलकूप कनेक्शन के लिए रु.26,628 की राशि जमा करने के बावजूद उन्हें अब तक बिजली आपूर्ति नहीं मिल सकी है। संजय का कहना है कि उन्होंने सरकारी नियमों के अनुसार पूरी रकम जमा कर दी है, फिर भी जेई विवेक कुमार गेट पास जारी नहीं कर रहे हैं। उनके अनुसार, जब तक गेट पास जारी नहीं होगा, तब तक लाइन विभाग द्वारा तार और पोल लगाने का कार्य नहीं हो सकेगा उन्होंने यह भी बताया कि तीन दिन से उपकेंद्र पर धरना देने के बावजूद कोई अधिकारी उनकी सुनवाई के लिए नहीं आया। किसान संजय सरोज ने चेतावनी दी है कि यदि शीघ्र समस्या का समाधान नहीं किया गया और गेट पास जारी नहीं हुआ, तो वे एसडीओ तथा अधीक्षण अभियंता कार्यालय पर अनिश्चितकालीन धरना शुरू करने को बाध्य होंगे।

बरसठी क्षेत्र के दाऊदपुर कोटिया गांव का है पूरा मामला

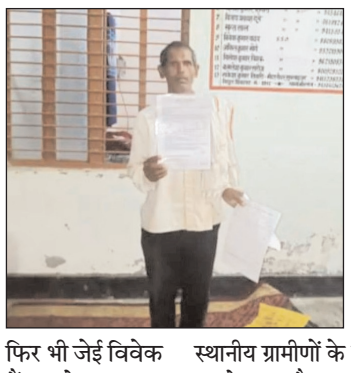

इस संबंध में जेई विवेक कुमार से दूरभाष पर संपर्क करने पर उन्होंने बताया कि समस्या का एक-दो दिन में समाधान कर दिया जाएगा और गेट पास जारी कर बिजली सप्लाई शुरू करा दी जाएगी। स्थानीय ग्रामीणों के समझाने-बुझाने पर फिलहाल संजय अपने घर लौट गए हैं, लेकिन उनकी नाराजगी और आंदोलन की चेतावनी क्षेत्र में चर्चा का विषय बनी हुई है।

गैर-इरादतन हत्या मामले में वांछित अभियुक्त गिरफ्तार2

तेजीबाजार, जौनपुर(उत्तरशक्ति)।पुलिस अधीक्षक ग्रामीण आतिश सिंह के निर्देशन एंव श्रीमान-क्षेत्राधिकारी सदर देवेश सिंह के कुशल पर्यवेक्षण में थानाध्यक्ष सत्येन्द्र भाई पटेल के नेतृत्व में थाना स्थानीय के व0उ0नि0 संजय कुमार मय हमराह कर्मचारीगण के सार्थक प्रयास से थाना स्थानीय पर पंजीकृत मु0अं0सं0-190/25 धारा 105 बीएनएस थाना तेजीबाजार का गैर इरादतन हत्या का वांछित अभियुक्त देवी प्रसाद गुप्ता पुत्र कृष्ण चन्द्र गुप्ता नि0 हैदरपुर थाना तेजीबाजार जौनपुर उम्र 55 वर्ष को दिनांक-10.10.2025 गिरफ्तार कर अग्रिम विधिक कार्यवाही की जा रही है।घटना का संक्षिप्त विवरण- दि0-09/10/2025 समय 08 बजे सुबह वादी मुकदमा शिवपुजन पुत्र स्व0 लालजी यादव ग्राम हैदरपुर थाना तेजीबाजार जौनपुर द्वारा अपने लड़के युग उम्र करीब 07 वर्ष का दवा इलाज कराने के लिए डा0 भोला सिंह उर्फ अजय ग्रा0 जंगीपुर हैदरपुर के पास ले जाया गया ।जहां पर डा0 भोला सिंह द्वारा अपने मोबाइल से डा0 देवी गुप्ता पुत्र कृष्ण चन्द्र गुप्ता नि0 हैदरपुर के पास फोन लगाकर बात चीत की गयी ।उसके बाद दवा इलाज हेतु डा0 देवी प्रसाद के पास उनकी मेडिकल स्टोर हैदरपुर पर वादी अपने लड़के को लेकर गया, डा0 देवी प्रसाद गुप्ता द्वारा इन्जेक्शन लगाया गया व दवा भी दी गयी। इनजेक्शन लगाने के बाद जब वादी अपने घर पर पहुंचा तो वादी के लड़के की युग की स्थिति खराब हो गयी, बेहतर दवा इलाज हेतु अस्पताल जाते समय रास्ते मे मृत्यु हो गयी।

पीयू में जिंदल सॉ लिमिटेड ने किया कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर के सेंट्रल ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल के तत्वावधान में जिंदल सॉ लिमिटेड द्वारा कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन गुरुवार को किया गया।

इस अवसर पर कंपनी की ओर से सुरेन्द्र कुमार, मैनेजर एचआर,दिग्विजय तिवारी, मैनेजर (ईएचएस) उपस्थित रहे। उल्लेखनीय है कि दिग्विजय तिवारी विश्वविद्यालय के पर्यावरण विभाग के पूर्व छात्र हैं, जिन्होंने वर्ष 2005 में इस परिसर से अध्ययन पूर्ण किया था। अतिथियों का स्वागत विश्वविद्यालय की ओर से अंगवस्त्रम एवं बुके प्रदान कर किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ उत्साहपूर्ण वातावरण में हुआ, जिसमें बी.एससी. (पीसीएम) वर्ग के योग्य छात्र-छात्राओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। जिंदल सॉ लिमिटेड की भर्ती प्रक्रिया दो चरणों में सम्पन्न हुई।

पहले चरण में अभ्यर्थियों का एप्टीट्यूड टेस्ट लिया गया, जिसमें रसायन, अंग्रेजी, तर्कशक्ति एवं मात्रात्मक योग्यता से संबंधित प्रश्न सम्मिलित थे। दूसरे चरण में चयनित अभ्यर्थियों का व्यक्तिगत साक्षात्कार (इंटरव्यू) हुआ, जिसमें विषय ज्ञान, संप्रेषण कौशल और तकनीकी समझ का मूल्यांकन किया गया।

कंपनी द्वारा चयनित विद्यार्थियों को ग्रेजुएट ट्रेनी के रूप में मुंद्रा (गुजरात) स्थित निर्माण इकाई में

नियुक्त किया जाएगा। प्रशिक्षण अवधि एक वर्ष की होगी, जिसमें चयनित उम्मीदवारों को ?29,167 मासिक वजीफा, निःशुल्क आवास एवं कैंटीन में रियायती भोजन सुविधा प्रदान की जाएगी। प्रशिक्षण की सफलतापूर्वक पूर्णता के पश्चात विद्यार्थियों को असिस्टेंट अथवा शिफ्ट सुपरवाइजर के पद पर रू.4,00,000 वार्षिक वेतनमान के साथ अन्य भत्ते एवं बीमा लाभ प्राप्त होंगे। उल्लेखनीय है कि जिंदल सॉ लिमिटेड, भारत की अग्रणी स्टील और आयरन पाइप निमार्ता कंपनी है। कंपनी की इस पहल ने न केवल विश्वविद्यालय के इंजीनियरिंग विद्यार्थियों के लिए नए करियर अवसर खोले, बल्कि भविष्य में निरंतर ऐसे आयोजन करने की कंपनी की गहरी प्रतिबद्धता भी प्रदर्शित की। इससे दोनों संस्थानों के बीच दीर्घकालिक सहयोग की संभावनाएं और अधिक सुदृढ़ हुई हैं।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के प्रशिक्षण एवं प्लेसमेंट निदेशक प्रो. प्रदीप कुमार ने अतिथियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उद्योग और शिक्षा जगत के बीच ऐसे प्रयास विद्यार्थियों के करियर निर्माण में मील का पत्थर साबित होते हैं। उन्होंने कहा कि यह विश्वविद्यालय के लिए गर्व का विषय है कि इसके पूर्व छात्र आज प्रतिष्ठित औद्योगिक संस्थानों में कार्यरत होकर पुनः अपने विश्वविद्यालय में नए विद्यार्थियों के लिए अवसर लेकर आ रहे हैं। इस अवसर पर डॉ. नितेश जायसवाल, डॉ. दीप प्रकाश, श्याम त्रिपाठी तथा दिव्यांशु संजय, आयुष गुप्ता, श्रेया मिश्रा आदि उपस्थित रहे।

10 से 25 अक्टूबर तक होगा नि:शुल्क खाद्यान्न वितरण

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम-2013 के अंतर्गत अक्टूबर माह का निःशुल्क खाद्यान्न वितरण आगामी 10 अक्टूबर से 25 अक्टूबर 2025 तक किया जाएगा। इस संबंध में जिला पूर्ति अधिकारी ने जानकारी दी है कि सभी उचित दर दुकानों पर लाभार्थियों को निशुल्क राशन उपलब्ध कराया जाएगा। अधिकारी ने बताया कि वन नेशन, वन राशन कार्ड योजना के तहत उपभोक्ता किसी भी उचित दर दुकान से खाद्यान्न प्राप्त कर सकते हैं। पात्र लाभार्थियों को मिलेगा अन्त्योदय अन्न योजना कार्डधारकों को प्रति कार्ड 14 किग्रा गेहूं और 21 किग्रा फोर्टिफाइड चावल, कुल 35 किग्रा खाद्यान्न मिलेगा। पात्र गृहस्थी कार्डधारकों को प्रति यूनिट

2 किग्रा गेहूं और 3 किग्रा फोर्टिफाइड चावल, कुल 5 किग्रा खाद्यान्न प्रति यूनिट निःशुल्क दिया जाएगा।

अंतिम तिथि और प्रक्रिया: खाद्यान्न वितरण की अंतिम तिथि 25 अक्टूबर 2025 निर्धारित की गई है। इस दिन उन लाभार्थियों को, जिनका आधार प्रमाणीकरण नहीं हो सका है, उन्हें मोबाइल ओटीपी वेरिफिकेशन के माध्यम से खाद्यान्न प्राप्त करने की सुविधा दी जाएगी।

ई-पॉस मशीन से वितरण: सभी उचित दर विक्रेताओं को निर्देश दिया गया है कि वे नई ई-वेटिंग लिंक्ड ई-पॉस मशीनों के माध्यम से नियमानुसार वितरण करें और अपने दुकानों पर योजना से संबंधित सूचना प्रदर्शित करें, ताकि कोई भी पात्र लाभार्थी वंचित न रह जाए।

इनर व्हील डिस्ट्रिक्ट 314 की डिस्ट्रिक्ट रैली-आरोहण का भव्य आयोजन सम्पन्न

मुम्बई। इनर व्हील डिस्ट्रिक्ट थ्री-वन-फोर द्वारा चुनाभट्टी-(सायन) के बंटारा भवन ऑडिटोरियम में डिस्ट्रिक्ट रैली-आरोहण का भव्य आयोजन किया गया । डी.सी. लक्ष्मी सिंह के कुशल नेतृत्व और मोनीला भट्टाशाली, पल्लवी तथा नवनीत कौर के सफल संयोजन में शक्ति की थीम पर आधारित विभिन्न प्रतियोगिताओं में डिस्ट्रीक्ट की सभी 6 क्लब की नारी शक्ति ने रैम्प वॉक, समूह गीत व नृत्य स्पर्धा में हिस्सा लिया। प्रतियोगिता में सभी 6 जेड सी कविता वाघानी, संगीता खेतान , प्रेरणा रिजयानी, एड. अमटू जहारा, उज्ज्वला अग्रवाल तथा डॉक्टर लीना के नेतृत्व वाली क्लबों की सदस्य नारी शक्ति ने प्रतियोगिताओं में अपनी प्रतिभा का जलवा बिखेरते हुए सिद्ध कर दिया कि कोई किसी से कम नहीं है। प्रतियोगिता के अंत में प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय आए विजेताओं को आकर्षक पुरस्कार प्रदान किया गया।

डॉ. सावरा ने किया बोईसर में युविका टीवीएस शोरूम का भव्य उद्घाटन

बोईसर । बोईसर में टीवीएस मोटर कंपनी के नए शोरूम युविका टीवीएस का आज भव्य उद्घाटन हुआ। इस अवसर पर पालघर के सांसद डॉ. हेमंत सावरा प्रमुख अतिथि के रूप में उपस्थित रहे और उन्होंने विधिवत रूप से शोरूम का उद्घाटन किया। कार्यक्रम के दौरान डॉ. सावरा का शाल व श्रीफल देकर भव्य स्वागत किया गया। उन्होंने इस नई पहल के लिए देवेश देशमुख, कृष्णा देशमुख, तेजस्विनी देशमुख और वीणा देशमुख को हार्दिक बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। डॉ. सावरा ने अपने संबोधन में कहा, ₹हमें विश्वास है कि टीवीएस मोटर कंपनी का यह अत्याधुनिक शोरूम क्षेत्र के ग्राहकों को न केवल उत्कृष्ट सेवा देगा, बल्कि उन्हें एक बेहतरीन अनुभव भी प्रदान करेगा। यह पहल स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी सशक्त बनाएगी और युवाओं के लिए रोजगार के अवसर लेकर आएगी। शोरूम का उद्घाटन समारोह उत्साह और उमंग के साथ संपन्न हुआ, जिसमें स्थानीय नागरिकों, व्यापारी वर्ग और टीवीएस परिवार के सदस्यों ने बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया।

इनर व्हील डिस्ट्रिक्ट 314 की डिस्ट्रिक्ट रैली-आरोहण का आयोजन सम्पन्न

मुम्बई। इनर व्हील डिस्ट्रिक्ट थ्री-वन-फोर द्वारा चुनाभट्टी-(सायन) के बंटारा भवन ऑडिटोरियम में डिस्ट्रिक्ट रैली-आरोहण का भव्य आयोजन किया गया। डी.सी. लक्ष्मी सिंह के कुशल नेतृत्व और मोनीला भट्टाशाली, पल्लवी जी तथा नवनीत कौर के सफल संयोजन में ₹शक्ति₹ की थीम पर आधारित विभिन्न प्रतियोगिताओं में डिस्ट्रीक्ट की सभी 6 क्लब की नारी शक्ति ने रैम्प वॉक, समूह गीत व नृत्य स्पर्धा में हिस्सा लिया। प्रतियोगिता में सभी 6 जेड सी कविता वाघानी, संगीता खेतान, प्रेरणा रिजयानी, एड. अमटू जहारा, उज्ज्वला अग्रवाल तथा डॉक्टर लीना के नेतृत्व वाली क्लबों की सदस्य नारी शक्ति ने प्रतियोगिताओं में अपनी प्रतिभा का जलवा बिखेरते हुए सिद्ध कर दिया कि कोई किसी से कम नहीं है।

ब्लॉक के सिथल व बजावा ग्राम में हुए कैंप,अगला शिवर 18 को

उदयपुरवाटी। कस्बे में शहरी सेवा शिविर व ग्रामों में ग्रामीण सेवा शिविर सरकार द्वारा आयोजित हुए जिसमें शुक्रवार कोआयुर्वेद विभाग द्वारा दो ग्रामीण व एक शहरी कैंप हुआ।दोनों ही जगह चिकित्सा शिविर लगाया गया तथा जन- जन तक आयुर्वेद चिकित्सा को पहुंचाने का काम शिविर में ड्यूटी देने वाले आयुर्वेद डॉक्टर्स द्वारा किया गया।

सिथल आयुर्वेद हॉस्पिटल के इंचार्ज डॉ दीपक शर्मा ने बताया कि ग्राम प्रशासक सरपंच संजू चौधरी ने शिविर के दौरान आयुर्वेद स्टाल पर आकर व्यवस्था को देखा और बड़ी चाव से आयुर्वेद का काढ़ा पिया। कुल 75 ग्रामीणों ने काढ़ा पिया और 45 जनों को आयुर्वेद चिकित्सा दी गई।दूसरी तरफ बजावा में हुए कैंप में 45 जनों ने काढ़ा पिया और डॉ देवेंद्र सैनी ने 33 रोगियों का आयुर्वेदिक उपचार किया। ब्लॉक आयुर्वेद चिकित्सा अधिकारी डॉ राजेंद्र कुमावत ने बताया कि 13 अक्टूबर को आयोजित होने वाले शहरी शिविर के तहत जमात स्कूल में चिकित्सा व परामर्श शिविर तो रहेगा ही आयुर्वेद की अन्य सेवाएं भी एक्सपर्ट द्वारा दी जाएगी अतः इस निरापद चिकित्सा का ज्यादा से ज्यादा लाभ उठाएं।

प्रत्याशियों को देना होगा 2 सेट में शपथ पत्र, 6 फीसदी से कम वोट लाने वाले की जमानत राशि होगी जब्त

वकील प्रसाद

सिवान (उत्तरशक्ति)। बिहार विधानसभा चुनाव में नामांकन करने की प्रक्रिया सीवान जिले के महाराजगंज में शुरू है। नामांकन पत्र भरने वाले सामान्य श्रेणी के प्रत्याशियों को 10 हजार रुपये का एनआर (नोमिशननेशन रिसिट) कटाना होगा। जबकि, एससी व एसटी वर्गों के उम्मीदवारों को नामांकन के लिए 5 हजार रुपये का एनआर कटाना होगा। एनआर को एक तरह से नामांकन शुल्क या प्रत्याशियों की जमानत राशि होती है। कम वोट लाने की स्थिति में जमानत राशि जब्त किये जाने का प्रावधान है। चुनाव को लेकर जिला प्रशासन के निर्देश पर बूथों का भौतिक सत्यापन किया जा रहा है। विस चुनाव में 1200 मतदाताओं पर एक बूथ बनाने का निर्देश दिया गया है। इस प्रकार 2 विधानसभा क्षेत्रों में कुल मिलाकर 257 बूथ और कुल मतदाता 3लाख नौ हजार 534 मतदाता हैं। चुनाव में नामांकन करने वाले प्रत्याशियों को दो शपथ पत्र देने होंगे। इसमें एक आपराधिक रिकॉर्ड, तो दूसरा संपत्ति से संबंधित होगा। दोनों का अलग-अलग शपथ पत्र देना होगा। अनुसूचित जाति व अनुसूचित जनजाति श्रेणी से चुनाव लड़ने वाले प्रत्याशियों को जाति प्रमाणपत्र देना होगा। आज से नामांकन की प्रक्रिया शुरू हो है, लेकिन विभिन्न राजनीतिक दलों के द्वारा अब तक अपना प्रत्याशी के नाम की घोषणा नहीं की जा सकी है। ऐसे महाराजगंज विधान सभा में ऊहा -पोह की स्थिति है।

अनंतरंग 2025 : मानसिक स्वास्थ्य पर भारत का पहला सांस्कृतिक महोत्सव

मुंबई। विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस पर, वेल्सपन फाउंडेशन ने मुंबई में अनंतरंग का पहला संस्करण आयोजित किया। यह मानसिक स्वास्थ्य पर देश का पहला सांस्कृतिक महोत्सव है। सहारा स्टार में आयोजित इस कार्यक्रम का उद्घाटन प्रसिद्ध कवि और गीतकार जावेद अख्तर और वेल्सपन वर्ल्ड के एपेक्स सदस्यों ने किया। इस अवसर पर कला, संवाद और अनुभव के माध्यम से भारत में मानसिक स्वास्थ्य पर नए दृष्टिकोण को पेश किया गया।

अनंतरंग में 600 से अधिक प्रतिभागी शामिल हुए, जिनमें कलाकार, शिक्षक, मनोवैज्ञानिक, नीति निमार्ता और रचनाकार शामिल थे। यह मंच मानसिक स्वास्थ्य को व्यक्तिगत और सांस्कृतिक दोनों दृष्टिकोणों से समझने का अवसर देता है। जहाँ आम सम्मेलन सिर्फ मेडिकल और नीतिगत मुद्दों पर ध्यान केंद्रित करते हैं, वहीं अनंतरंग ने मानसिक स्वास्थ्य को विज्ञान आधारित सांस्कृतिक दृष्टिकोण से देखा, यह समझते हुए कि भारत की कहानियाँ, परिवार, कार्यस्थल और रचनात्मक परंपराएँ हमारी भावनात्मक भलाई को कैसे प्रभावित करती हैं। वेल्सपन ग्रुप के प्रेसिडेंट और चीफ कल्चरल ऑफिसर दीपक कश्यप ने कहा, भारत में लोग मानसिक बीमारियों को लेकर झिझकते हैं, सही जानकारी कम है और इलाज या मदद तक पहुँच सीमित है। अनंतरंग के जरिए हम मानसिक स्वास्थ्य को सिर्फ व्यक्तिगत या मेडिकल मुद्दा नहीं, बल्कि एक सांस्कृतिक प्राथमिकता के रूप में पेश करना चाहते हैं। यह तय करता है कि हम कैसे जीते हैं, काम करते हैं, परिवार की परवरिश करते हैं और एक-दूसरे की देखभाल करते हैं। महोत्सव ने मनोविज्ञान के विज्ञान और संस्कृति को साक्ष्य-आधारित तरीके से पेश किया।

अनंतरंग 2025 में आठ खास सत्र आयोजित किए गए, जिनमें मानसिक स्वास्थ्य को अलग-अलग दृष्टिकोण से देखा गया और यह बताया गया कि संस्कृति, पहचान और भावनाएँ कैसे भारत की सामूहिक मानसिकता को आकार देती हैं। कविता, दृष्टिकोण और मन - जावेद अख्तर और दीपक कश्यप के मार्गदर्शन में, इस सत्र ने दिखाया कि कविता और कहानी सुनाना कैसे व्यक्तिगत अनुभवों को फिर से जगा सकता है और शब्दों के जरिए मजबूती और आत्म-खोज संभव होती है। साहित्य की भूमिका के बारे में बात करते हुए जावेद अख्तर ने कहा, अच्छा साहित्य पढ़ने से सहानुभूति बढ़ती है। साहित्य के माध्यम से व्यक्ति विभिन्न पात्रों, स्थितियों और दृष्टिकोणों से परिचित होता है, जिससे पाठकों को दूसरों को बेहतर ढंग से समझने और सहानुभूति विकसित करने में मदद मिलती है।

भारतीय कैंसर सोसाइटी ने लॉन्च की स्तन कैंसर जागरूकता फिल्म

नई दिल्ली/मुंबई। कैंसर से प्रभावित लोगों के प्रति जागरूकता बढ़ाने और उनकी सहायता के लिए समर्पित भारतीय कैंसर सोसाइटी (आईसीएस) को स्तन कैंसर जागरूकता पर अपनी नई फिल्म के लॉन्च की घोषणा करते हुए गर्व हो रहा है। इस फिल्म का उद्देश्य इस कलंक को तोड़ना, रोग की शीघ्र पहचान को प्रोत्साहित करना और प्रभावशाली कहानियों के माध्यम से समुदायों को प्रेरित करना है। एक प्रभावशाली संदेश के माध्यम से यह फिल्म सक्रिय स्वास्थ्य-प्राप्ति व्यवहार को बढ़ावा देने और रोगियों, जीवित बचे लोगों और परिवारों में आशा का संचार करने का प्रयास करती है। यह पहल व्यक्तियों को ज्ञान से सशक्त बनाने और स्तन कैंसर के खिलाफ एकजुट लड़ाई को प्रोत्साहित करने की हमारी निरंतर प्रतिबद्धता का हिस्सा है।

ग्लोबोकैन 2022 के अनुसार भारत में महिलाओं में स्तन कैंसर सबसे आम कैंसर है, जो सभी महिला कैंसर का लगभग 26.6% है। 2022 में देश में महिलाओं में स्तन कैंसर के अनुमानित 192,020 नए मामले सामने आए और आने वाले वर्षों में नए मामलों की संख्या में वृद्धि जारी रहने का अनुमान है। देर से निदान एक प्रमुख चुनौती बनी हुई है, क्योंकि कई महिलाओं का निदान उन्नत चरणों में होता है, जिससे जीवित रहने की दर कम हो जाती है। देरी से निदान जागरूकता की कमी, सामाजिक-आर्थिक कारकों, कलंक, सांस्कृतिक बाधाओं और निदान एवं उपचार सुविधाओं तक सीमित पहुँच से जुड़ा है। इन चुनौतियों से निपटने के लिए भारतीय कैंसर सोसायटी ने स्तन कैंसर जागरूकता पर एक नई फिल्म बनाई है और स्तन कैंसर जागरूकता माह के साथ एक अभियान शुरू करने की योजना बना रही है।

यह फि ल्म स्तन कैंसर का जल्द पता लगाने में आत्म-परीक्षण की शक्ति को दशार्ने के लिए ₹स्पर्श₹ की एक साधारण, रोजमर्रा की क्रिया का उपयोग करती है। इसमें एक महिला को दिखाया गया है, जो दूसरों की देखभाल करने के लिए रोजाना अपने स्पर्श का इस्तेमाल करती है और अपने बच्चे का तापमान, फल की परिपक्वता, भोजन की पकावट या कपड़े की गुणवत्ता आदि की जाँच करके रोजाना निर्णय लेती है। वही स्नेहपूर्ण स्पर्श, जो दूसरों की भलाई सुनिश्चित करता है, उसकी अपनी जान की भी रक्षा कर सकता है।

विस चुनाव को ले महाराजगंज में अर्द्धसैनिक बलों का जमावड़ा

सिवान (उत्तरशक्ति)। बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर सिवान जिला अंतर्गत महाराजगंज में प्रशासनिक तैयारियां जहां तेज हो गई हैं। वहीं आईटीबीपी के जवानों के साथ महाराजगंज की पुलिस शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए सड़कों के उच्चकों पर कड़ी नजर रख रही है। शांतिपूर्ण मतदान कराने के उद्देश्य से प्रखंड के गांवों का भ्रमण करते नजर आ रहे हैं। महाराजगंज थाना के एस आई ललन सिंह ने बताया कि महाराजगंज शहर के चौक चौराहों के अलावा ग्रामीण क्षेत्र में भी भ्रमण कर उच्चकों पर नजर रखी जा रही है। वहीं महाराजगंज थाना के इंस्पेक्टर सुनील कुमार ने बताया कि महाराजगंज के सभी बूथों पर शांतिपूर्ण चुनाव करने के लिए सभी बूथों पर परा मिलिट्री व आई टी बीपी के जवान लगाए जाएंगे पुलिस प्रशासन द्वारा भी असामाजिक तत्वों पर कड़ी नजर रखी जा रही है। महाराजगंज थाना क्षेत्र में कुछ लोगों पर सीसीए का प्रस्ताव भेजा गया है, वहीं कुछ लोगों पर धारा 126 और कुछ लोगों पर धारा 129 के तहत कार्रवाई की गई है।

एसयूडी लाइफ ने लॉन्च किया एसयूडी लाइफ निफ्टी अल्फा 50 इंडेक्स फंड

पटना। स्टार यूनियन दाइ-इची लाइफ इंश्योरेंस (एसयूडी लाइफ) ने एसयूडी लाइफ निफ्टी अल्फा 50 इंडेक्स फंड के लॉन्च की घोषणा की है। यह एक नया फंड ऑफर (एनएफओ) है जो निफ्टी अल्फा 50 इंडेक्स को ट्रैक करता है। यह एक स्मार्ट बीटा बेंचमार्क है, जिसे भारत के सबसे लगातार बेहतर प्रदर्शन करने वाले शेयरों की पहचान करने के लिए डिजाइन किया गया है। यह नया फंड ऑफर 6 अक्टूबर से 24 अक्टूबर 2025 तक खुला रहेगा। प्रशांत शर्मा, मुख्य निवेश अधिकारी, स्टार यूनियन दाइ-इची लाइफ इंश्योरेंस ने कहा यह फंड निवेशकों को इक्विटी में निवेश का एक अधिक समझदारी भरा तरीका प्रदान करता है।

स्नेहा दुबे पंडित ने पीएम खनिज क्षेत्र कल्याण योजना की बैठक में लिया सक्रिय भाग

पालघर। प्रधानमंत्री खनिज क्षेत्र कल्याण योजना (ढटडडड) के तहत जिला खनिज फाउंडेशन, पालघर की शासी परिषद की एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन जिला अधिकारी कार्यालय, पालघर में किया गया। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य जिले में खनिज संसाधनों के समुचित उपयोग के माध्यम से जनकल्याण के कार्यों को गति देना था। बैठक में वसई की विधायक स्नेहा दुबे पंडित ने सक्रिय भागीदारी की और खनिज क्षेत्र के विकास, आधारभूत संरचनाओं के निर्माण, स्वास्थ्य, शिक्षा तथा ग्रामीण विकास से जुड़ी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर विशेष जोर दिया। विधायक स्नेहा दुबे पंडित ने बैठक के दौरान कहा कि खनिज क्षेत्र से प्राप्त राजस्व का उपयोग जनकल्याण के लिए होना चाहिए। यह योजना ग्रामीणों के जीवन स्तर को ऊपर उठाने का एक महत्वपूर्ण माध्यम है, और इसमें पारदर्शिता एवं प्रभावशीलता सुनिश्चित करना हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए। इस अवसर पर पालघर जिले के कलेक्टर, अन्य विधायकगण तथा संबंधित विभागों के अधिकारी भी उपस्थित थे। सभी प्रतिभागियों ने जिले के खनिज क्षेत्रों में टिकाऊ विकास और स्थानीय समुदायों को होने वाले लाभों को अधिकतम करने पर चर्चा की। प्रधानमंत्री खनिज क्षेत्र कल्याण योजना (PMKKKY) का उद्देश्य खनिज समृद्ध जिलों में सामाजिक, आर्थिक और पर्यावरणीय विकास को बढ़ावा देना है। इस योजना के अंतर्गत खनन से प्रभावित क्षेत्रों में आधारभूत ढांचे का निर्माण, स्वच्छ पेयजल, स्वास्थ्य सुविधाएं, शिक्षा, कौशल विकास, महिला सशक्तिकरण और पर्यावरण संरक्षण जैसे क्षेत्रों में निवेश किया जाता है।

नामांकन पत्र दाखिल करने के लिए बने हैं अलग काउंटर

सिवान(उत्तरशक्ति)। बिहार विधान सभा चुनाव के लिए सिवान जिला अंतर्गत महाराजगंज अनुमंडल मुख्यालय में 111-गोरेयाकोठी और 112 महाराजगंज विधान सभा क्षेत्र के लिए काउंटर और प्रत्याशियों के लिए प्रतीक्षालय बनाए गए हैं. नामांकन के पहले दिन गोरेयाकोठी से एक नाजरी रशीद व महाराजगंज विधान सभा के लिए एक नाजरी रशीद निर्दल प्रत्याशी ने कटाया था। दोनों विधानसभा में एक प्रत्याशी का भी नामांकन 10 अक्टूबर को नहीं हुआ। निर्वाचन पदाधिकारियों के कार्यालयों में आवश्यक व्यवस्था कर ली गई। दोनों विधान सभा क्षेत्र में नामांकन पत्र दाखिल करने हेतु अलग - अलग स्थल विधानसभा वाइज प्रतीक्षालय बनाए गए हैं। 112 महाराजगंज विधान सभा के आरओ एसडीएम अनीता कुमारी, व 111 गोरेयाकोठी विधान सभा के आरओ डीसीएलआर अमन कुमार नामांकन पत्र दाखिल करने की अवधि 10 अक्टूबर से 17 अक्टूबर तक रहेंगे। 11 एवं 12 अक्टूबर (शनिवार एवं रविवार) को नामांकन पत्र दाखिल नहीं होंगे, नामांकन पत्र ब दाखिल करने का समय प्रतिदिन पूर्वाह्न 11 बजे से अपराह्न 3 बजे तक, नामांकन पत्रों की जाँच 18 अक्टूबर, व नामांकन पत्रों की वापसी की अंतिम तिथिः 21 अक्टूबर, अंतिम रूप से व उम्मीदवारों की सूची का प्रकाशन 21 स अक्टूबर को। भारत निर्वाचन आयोग व द्वारा घोषित कार्यक्रमानुसार मतदान प्रथम चरण 06 नवंबर को मतदान प्रक्रिया पारदर्शी पूर्ण कराई जाएगी।

हर घर स्वदेशी, घर-घर आत्मनिर्भर का मंत्र लेकर आगे बढ़ रहा भारत

सुरेश गांधी

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में चल रहा आत्मनिर्भर भारत अभियान अब केवल सरकारी योजना नहीं रहा, बल्कि यह एक सांस्कृतिक संकल्प और लोक आंदोलन बन चुका है। शुक्रवार को सर्किट हाउस सभागार में पत्रकारों से बातचीत करते हुए स्टांप एवं न्यायालय शुल्क पंजीयन मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) रविन्द्र जायसवाल ने कहा कि सरकार का लक्ष्य है, हर घर स्वदेशी, घर-घर आत्मनिर्भर। उन्होंने कहा कि आत्मनिर्भर भारत केवल आर्थिक सुधार नहीं, बल्कि राष्ट्र की आत्मा से जुड़ा विचार है। जब हर नागरिक अपने उत्पाद पर गर्व करेगा, तब भारत आत्मनिर्भर नहीं, विश्व नेतृत्व की राह पर होगा मंत्री ने बताया कि प्रधानमंत्री मोदी के वोकल फॉर लोकल के आह्वान को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राज्य की नीति का केंद्र बनाया है। प्रदेश सरकार एक ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था के लक्ष्य की ओर बढ़ रही है। इसके लिए 19 प्रमुख क्षेत्रों में उद्योगों को प्रोत्साहन, टैक्स में छूट और अनुदान जैसी सुविधाएं दी जा रही हैं। उन्होंने कहा कि सरकार ने यह सुनिश्चित किया है कि कम से कम 25 प्रतिशत सरकारी खरीद एमएसएमई इकाइयों से की जाए। इससे स्थानीय उद्योगों, हस्तशिल्पियों और कारीगरों को नई पहचान मिली है। वाराणसी जैसे शहरों में लकड़ी के खिलौने, पीतल शिल्प और हैंडलूम उद्योग आत्मनिर्भरता के प्रतीक हैं। रविन्द्र जायसवाल ने कहा कि आत्मनिर्भरता की परंपरा भारत में नई नहीं है। 1965 के भारत-पाक युद्ध के समय लाल बहादुर शास्त्री जी ने अमेरिका से लाल गेहूं लेने से इनकार कर देश को आत्मनिर्भरता की प्रेरणा दी थी। उस दौर में जय जवान, जय किसान का नारा केवल शब्द नहीं, बल्कि स्वावलंबन का सूत्र बना। उन्होंने कहा कि आज वही भावना प्रधानमंत्री मोदी के आत्मनिर्भर भारत में पुनर्जीवित हुई है। भारत अब 80 करोड़ लोगों को मुफ्त अनाज दे पा रहा है, जो आत्मनिर्भरता का सबसे बड़ा उदाहरण है। मंत्री ने कहा कि देश में छह करोड़ से अधिक एमएसएमई इकाइयां हैं, जो जीडीपी में 29 प्रतिशत और निर्यात में 50 प्रतिशत से अधिक योगदान देती हैं। इन्हीं इकाइयों से 11 करोड़ से ज्यादा लोगों को रोजगार मिला है। सरकार ने इस क्षेत्र को मजबूती देने के लिए कई ठोस कदम उठाए हैं. इसमें 3 लाख करोड़ रुपये की आपातकालीन कार्यशील पूंजी सुविधा, 20 हजार करोड़ रुपये की अधीनस्थ ऋण योजना, 50 हजार करोड़ का फंड ऑफ फंड्स, और सरकारी विभागों में 45 दिन में भुगतान सुनिश्चित करने का प्रावधान। उन्होंने कहा कि आत्मनिर्भर भारत अभियान कोई राहत पैकेज नहीं, बल्कि संरचनात्मक सुधारों का रोडमैप है, जिसने लघु उद्योगों को आत्मबल और स्थायित्व दिया है।

मंत्री ने कहा कि नई शिक्षा नीति में अब विद्यार्थी केवल डिग्री के लिए नहीं, बल्कि रोजगारोन्मुख कौशल के लिए पढ़ाई करेंगे। मेजर-माइनर विषयों की अवधारणा से छात्र स्थानीय उद्योगों और पारंपरिक कलाओं से सीधे जुड़ सकेंगे। उन्होंने कहा, काशी जैसे शहरों में शिक्षा को स्थानीय अर्थव्यवस्था से जोड़ना आत्मनिर्भरता की दिशा में सबसे बड़ा कदम है। किसानों के विषय में उन्होंने कहा कि सरकार हर वर्ष राज्यवार सर्वेक्षण कर लागत मूल्य के आधार पर एमएसपी तय करती है। साथ ही बीज, उर्वरक, सिंचाई, भंडारण और कृषि उपकरणों पर 8 से 9 प्रकार की सब्सिडी योजनाएं चल रही हैं। किसान सम्मान निधि और नाबार्ड सहायता से किसान अब उपज बेचने वाला नहीं बल्कि उद्योग संचालक बन रहा है। मंत्री ने कहा कि भारत त्योहारों का देश है, और हर त्योहार स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देता है। इसी भावना से सरकार ने 22 सितंबर को जीएसटी दरों में कटौती की, ताकि दिवाली, धनतेरस और करवा चौथ जैसे त्योहारों में स्वदेशी उत्पादों की खरीद बढ़े। उन्होंने कहा, मिट्टी के दीए, झालर, सूप, चलनी, ये सिर्फ सामान नहीं, बल्कि आत्मनिर्भर भारत की जड़ें हैं। सरकार ने कुम्हारों को मुफ्त मिट्टी उपलब्ध कराने की योजना भी शुरू की है। मंत्री ने कहा कि कोविड काल में जब वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला ठप थी, तब भारत ने अपनी क्षमता से दुनिया को चौंका दिया। आज भारत पीपीई किट का दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक बन चुका है। रक्षा क्षेत्र में 101 उपकरणों के आयात पर रोक लगाकर मेक इन इंडिया को बल दिया गया। स्वदेशी तेजस विमान इसका उदाहरण है, जिसमें 75 प्रतिशत से अधिक घटक देश में बने हैं। उन्होंने कहा, अब हम मेक इन इंडिया से आगे बढ़कर मेड बाय इंडिया की ओर बढ़ रहे हैं। सरकार ने गरीब, मजदूर, रेहड़ी-पटरी वालों और किसानों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए कई योजनाएं शुरू की हैं, पीएम स्वनिधि योजना से छोटे व्यापारियों को 10,000 का ब्याजमुक्त ऋण, मनरेगा में ?40,000 करोड़ की अतिरिक्त राशि, किसान क्रेडिट कार्ड के तहत ?2 लाख करोड़ की सहायता, और एक देश, एक राशन कार्ड योजना से प्रवासी मजदूरों को राहत।

डॉ.लक्ष्मण शर्मा वाहिद को मिला महाराष्ट्र राज्य उर्दू साहित्य अकादमी पुरस्कार 2023

नवी मुंबई। शहर के सानपाड़ा में रहने वाले उर्दू जबान के फरोग और अदब की खिदमत में अपनी बेपनाह लगन व बेहतरीन सेवाओं के ऐतिराफ में शायर डॉ.लक्ष्मण शर्मा वाहिद को महाराष्ट्र राज्य उर्दू साहित्य अकादमी अवॉर्ड 2023 से नवाजा गया। यह एजाज उर्दू अकादमी की गोल्डन जुबली (स्वर्ण जयंती) के मौके पर 8 अक्तूबर 2025 को एस वी पी डोम स्टेडियम वर्ली मुंबई में अधिवक्ता कोकाटे मंत्री अल्प संख्यक प्रकोष्ठ की देख रेख में प्राप्त हुआ। डॉ वाहिद राजस्थान के एक छोटे से कस्बे बयाना जंक्शन (नगला स्टोर) में जन्म हुआ.तथा पिता स्वर्गीय देवीराम शर्मा (सी.टी.आई.) और स्वर्गीय माता पार्वती शर्मा के परिवार में दूसरे नंबर के सबसे छोटे बेटे हैं। डॉ.शर्मा वाहिद उस जुनून का नाम हैं जिसने कभी थकना नहीं सीखा। उन्होंने मुश्किलों के सामने झुकना मंजूर नहीं किया।

डॉ. शर्मा वाहिद वह वाहिद (अद्वितीय) शख्सियत हैं जिन्होंने हिंदी भाषी होते हुए भी उर्दू साहित्य में अपनी गहरी समझ और शिद्दत से जगह बनाई। उन्होंने न सिर्फ. महाराष्ट्र राज्य उर्दू साहित्य अकादमी में न्यायाधीश की ज़िम्मेदारी निभाई, बल्कि अनेक अवॉर्ड्स से भी नवाजे गए और इंशा अल्लाह जल्द ही अकादमी में किसी अहम ओहदे पर उनकी मौजूदगी देखी जाएगी। वाहिद ने बताया कि इस अवॉर्ड की अहमियत तब और बढ़ जाती है जब सन 2008 तक साहिल और तरन्नुम व तहत जैसे बुनियादी उर्दू अल्फाज का मतलब तक मालूम नहीं था और आज वही महज कुछ सालों में अपनी मेहनत, लगन और जुनून के बल पर महाराष्ट्र राज्य का अति विशिष्ट पुरस्कार हासिल कर रहा हूं। यह मेरे लिए वाकई काबिले-तारीफ और प्रेरणादायक सफर है। हिंदुस्तान की असली खूबसूरती उसकी गंगा-जमुनी तहजीब,भाषाई विविधता और आपसी भाईचारे में निहित है। यही वह विशेषता है जो हमारे मुल्क को पूरी दुनिया में सम्मान दिलाती है। डॉ. शर्मा वाहिद को मिला यह अवॉर्ड तमाम हिंदी भाषियों के लिए न सिर्फ.गौरव का विषय है बल्कि असीम प्रेरणा का स्रोत भी है। डॉ शर्मा ने साबित कर दिया कि भाषा और साहित्य की कोई सीमाएँ नहीं होती बस लगन जुनून और ईमानदारी की जरूरत होती है।

मेडिकल कालेज जौनपुर में विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस हर्षोउल्लास के साथ मनाया

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। उमानाथ सिंह स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय, जौनपुर के प्रधानाचार्य प्रो० आर०बी० कमल के संरक्षण में डा० विनोद वर्मा, विभागाध्यक्ष, मानसिक रोग विभाग द्वारा 10 अक्टूबर, 2025 को विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस का आयोजन अस्पताल भवन के मानसिक रोग विभाग में बड़े हर्षोउल्लास के साथ किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रधानाचार्य, प्रो० आर०बी० कमल ने अपने प्रेरणादायक उ?द्बोधन में कहा कि मानसिक स्वास्थ्य हमारे जीवन का अभिन्न अंग है। आज के प्रतिस्पर्धात्मक युग में जहाँ हर व्यक्ति किसी न किसी प्रकार के मानसिक दबाव से गुजर रहा है, वहाँ मानसिक संतुलन बनाए रखना अत्यंत आवश्यक हो गया है। उन्होंने कहा कि ₹ स्वस्थ मन ही स्वस्थ शरीर का आधार है । यदि हमारा मन शांत, स्थिर और सकारात्मक रहेगा, तो हम किसी भी परिस्थिति का सामना साहसपूर्वक कर सकते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को संदेश दिया कि वे अपनी भावनाओं को दबाने के बजाय उन्हें अभिव्यक्त करें, ताकि मानसिक तनाव को दूर किया जा सके। उन्होंने यह भी कहाँ कि मेडिकल कॉलेज जैसे संस्थानों में विद्यार्थियों पर अध्ययन का अत्यधिक दबाव रहता है, इसिलए सभी को अपने दिनचर्या में योग, ध्यान, नियमित व्यायाम और पर्याप्त नींद को शामिल करना चाहिए।

मुख्य चिकित्सा अधीक्षक प्रो० ए०ए० जाफरी ने अपने उद्बोधन में कहा कि मानसिक स्वास्थ्य केवल डॉक्टरों या विद्यार्थियों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह हर मरीज और उसके परिवार के लिए भी उत्तना ही महत्वपूर्ण है। उन्होनें कहा कि अस्पताल में आने वाला प्रत्येक मरीज केवल शारीरिक रोग से नहीं, बल्कि मानसिक चिंता और भय से भी गुजरता है। इसलिए हमारा कर्तव्य है कि हम उसे संवेदनशीलता, सहानुभूति और सकारात्मक व्यवहार से उपचार दें। मरीज के प्रति हमारा व्यवहार ही उसके मानसिक स्वास्थ्य में सुधार का पहला कदम हो सकता है। उन्होंने यह भी कहा कि डॉक्टर और नर्सें यदि मुस्कराकर मरीज से बात करें, उसकी बातो को ध्यान से सुनें और उसे विश्वास दिलाएँ कि वह सुरक्षित हाथों में है, तो उसका उपचार आधा पूरा हो जाता है। उन्होंने अपने उ?द्बोधन के अन्त में कहा कि ₹मरीज का मनोबल ही उसकी सबसे बड़ी दवा है। यदि हम उसके मन को मजबूत बनाएँ, तो उपचार के परिणाम और भी बेहतर होंगे। डा० विनोद वर्मा, विनागाध्यक्ष, साइकेंट्री विभाग ने बताया कि हर वर्ष 10 अक्टूबर को विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस मनाया जाता है। इस वर्ष इसकी विषय वस्तु है ₹संकटो और आपदाओं के दौरान मानसिक स्वास्थ्य सेवा तक पहुँच सुनिश्चित करना है। डब्लू एच ओ के अनुसार हर 8 में से 1 व्यक्ति मानसिक स्वास्थ्य सम्बन्धी समस्याओं से जूझ रहा है। भारत में लगभग 10.6 प्रतिशत लोग किसी न किसी मानसिक बीमारी से ग्रसित है। हाल के वर्षों में भारत में युवाओं और किशोरों में मानसिक रोगों की समस्या तेजी से बढ़ रही है। अवसाद, चिंता और तनाव जैसी मानसिक स्थितियाँ युवाओ को गहराई से प्रभावित कर रही हैं। जिसके कारण आत्महत्या के मामले लगातार बढ़ रहे हैं। मनोवैज्ञानिकों के अनुसार, बेरोजगारी, पढ़ाई में असफलता, प्रतियोगी माहौल में दबाव, पारिवारिक अपेक्षाएँ और सोशल मीडिया का अत्यधिक उपयोग युवाओं के मानसिक संतुलन को प्रभावित कर रहा है। कई युवा अपनी असफलता या निराशा से उबर नहीं पाते और चरम कदम उठा लेते हैं।

राहुल सिंह, सहायक आचार्य, मानसिक रोग विभाग ने बताया कि ज्यादातर लोगों में सामान्य मानसिक बीमारियां होती है जैसे अवसाद, चिंता, नींद की समस्या, लेकिन कुछ लोगो में गम्भीर मानसिक बीमारियाँ होती है जिसका यदि समय रहते इलाज कराया जाये तो बीमारी ठीक की जा सकती है। अच्छे स्वास्थ्य के लिए अच्छी नींद 6 से 8 घंटे लेनी चाहिए, संतुलित आहार शारीरिक व्यायाम करना चाहिए और अधिक समस्या होने पर मानसिक रोग चिकित्सक को सलाह लेनी चाहिए।

डा० ईशा दत्त पाण्डेय, सीनियर रेजिडेंट, मानसिक रोग विभाग ने मेंटल हेल्थ के विषय वस्तु के बारे में विस्तार से चर्चा की। उन्होंने बताया कि जब कोई प्राकृतिक आपदा, दुर्घटना, महामारी जैसी बात करते है अक्सर ध्यान शारीरिक, नुक्सान और आर्थिक हानि पर ज्यादा केंद्रित होता है जबकि मानसिक स्वास्थ्य पर होने वाला असर अनदेखा रह जाता है। जो लोग इस तरह की आपदा का सामना करते है उन्हें आगे चलकर अवसाद, चिन्ता, नींद की समस्या से जूझना पड़ता है आज आवश्यकता इस बात की है कि हर व्यक्ति को मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं तक समान पहुंच मिले आपदा आपालकाल में केवल राहत सामाग्री नही बल्कि मनोचिकित्सक परामर्श सेवा की प्राथमिकता दी जाये।

छात्र-छात्राओं को पुलिस हेल्पलाइन नंबरों की दी गई जानकारी

रेणुकूट, सोनभद्र(उत्तरशक्ति)। स्थानीय थाना क्षेत्र के खाड़पाथर मुरधावा स्थित पंडित जगत नारायण शुक्ला इंटरमीडिएट कॉलेज खारपत्थर मुरधावा मे शुक्रवार को एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में पिपरी थाना प्रभारी सतेंद्र कुमार राय ने छात्र-छात्राओं को विभिन्न पुलिस हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी देते हुए उन्हें जागरूक किया। थाना प्रभारी ने छात्रों को बताया कि पुलिस हमेशा जनता की सुरक्षा और सहायता के लिए तत्पर रहती है। उन्होंने कहा कि यदि किसी विद्यार्थी को कोई परेशानी हो, तो वे बिना झिझक अपने अभिभावकों या शिक्षकों से चर्चा करें, और आवश्यकता पड़ने पर पुलिस हेल्पलाइन नंबरों जैसे 112 (आपातकालीन सेवा), 1098 (बाल सहायता हेल्पलाइन), 181 (महिला हेल्पलाइन), 1930 (साइबर अपराध रिपोर्टिंग) आदि का प्रयोग करें। उन्होंने विशेष रूप से साइबर अपराध से बचाव के उपायों पर चर्चा की और बताया कि सोशल मीडिया या अज्ञात लिंक पर व्यक्तिगत जानकारी साझा करने से बचें। थाना प्रभारी ने कहा कि जागरूक रहना ही अपराध से बचाव का सबसे प्रभावी तरीका है।

विद्यालय के संचालक आदर्श शुक्ला ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि बच्चों को किसी भी तरह की समस्या या भय अपने अंदर नहीं रखना चाहिए। अगर कोई उन्हें परेशान करता है, तो वे निःसंकोच पुलिस से संपर्क करें या विद्यालय प्रशासन को अवगत कराएं। उन्होंने कहा कि ऐसे कार्यक्रम बच्चों में आत्मविश्वास और जागरूकता दोनों बढ़ाते हैं। इस अवसर पर विद्यालय के शिक्षकगण, बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं, और स्थानीय पुलिसकर्मी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को न केवल पुलिस सेवाओं से परिचित कराना था, बल्कि उन्हें समाज में सुरक्षित रहने के उपायों की जानकारी देना भी था।

ग्रामीण हुए परेशान: मानीकलां व आसपास के गांवों में जिओ के नेटवर्क में आई बांधा

-आफताब आलम

मानीकलां जौनपुर (उत्तरशक्ति) ' मानीकलां में लगभग दस दिन से जिओ सिम का नेटवर्क फेल होने से आने जाने वाली कॉल इंटरनेट सेवा फेल होने से जिओ कम्पनी उपभोक्ताओं को काफी कठिनाईया उठानी पड़ रही है जिओ कंपनी को अपने उपभोक्ताओं को परवाह नहीं है इसी लिए कहा गया है किजब प्राइवेट कंपनी होगी तब इसी 3तरह की मनमानी करती रहेगी पहले फ्री की आदत जिओ कम्पनी ने दिलाई फिर तीस दिन का जो माह होता था अब उसे 28 दिन का माह बना दिया फिर मौका मिलते ही रिचार्ज का दाम बढ़ा दिया किसी को बात करना होता है तो कई बार सोचना पड़ता है जिस किसी को भी काल या इंटरनेट से बात करना होता है नहीं हो पाती है यही हाल आसपास के ग्राम सभाओं की है मानीकलां,मानी खुर्द, ग्यासपुर नोनारी, सोंगर, लखमापुर ,सलारपुर, मवई, भुडकुडहां, आदि गांवों की है।

वाराणसी में दीपावली और छठ को ध्यान में रखते हुए पुलिस हुई सख्त चप्पे चप्पे पे नजर

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। जनपद में दीपावली छठ और आगामी त्योहारों के मद्देनजर शुक्रवार को अपर पुलिस आयुक्त मुख्यालय (सुरक्षा) शिव हरी मीणा के नेतृत्व में पुलिस टीम ने काशी विश्वनाथ धाम से लेकर दाल मंडी तक विशेष चेकिंग अभियान चलाया। इस दौरान पुलिस टीम में पटाखा की दुकानों और गोदामों की जांच की और सुरक्षा मानकों का बारीकी से निरीक्षण किया अपर पुलिस आयुक्त नेकहा अवैध रूप से पटाखे का भंडारण या अनुचित तरीके से बिक्री करना दंडनीय अपराध है पकड़े जाने पर कठोर कार्रवाई की जाएगी। अभियान में डीसीपी गौरव बंशवाल,एसीपी शुभम कुमार सिंह, चौक थाना प्रभारी दिलीप मिश्रा, दशाश्वमेध थाना प्रभारी उपेंद्र प्रताप सिंह सहित बड़ी संख्या में पुलिसकर्मी शामिल रहे। पुलिस टीम ने कहा इस तरह के निरीक्षण आगे भी जारी रहेंगे।

दिहाड़ी मजदूर ने शव दाह स्थल पर बने टिन शेड में गमछे के सहारे फांसी लगाकर की आत्म लीला समाप्त

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। सिकरारा थाना क्षेत्र के हरखपुर गांव में शुक्रवार को एक 45 वर्षीय दिहाड़ी मजदूर ने शव दाह स्थल पर बने टिन शेड में गमछे के सहारे फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना दोपहर करीब 1 बजे के आसपास की बताई जा रही है। मृतक की पहचान हरखपुर गांव निवासी अखिलेश निषाद उर्फ झगड़ू पुत्र सूबेदार निषाद के रूप में हुई है।

मिली जानकारी के अनुसार, अखिलेश निषाद ने गांव के शव दाह स्थल पर पहुंचकर टिन शेड के ढांचे से गमछे का फंदा बनाकर आत्महत्या कर ली। दोपहर में जब ग्रामीणों ने शव को फंदे से लटकते देखा, तो हड़कंप मच गया और तत्काल पुलिस को सूचना दी गई। वही ग्रामीणों के अनुसार, अखिलेश

निषाद एक मिलनसार व्यक्ति थे और दिहाड़ी मजदूरी करके अपना गुजारा करते थे। बताया जा रहा है कि उनकी पत्नी उन्हें छोड़कर चली गई थी, जिसके बाद से वह काफी परेशान थे। प्रथम दृष्टया उनकी आत्महत्या का कारण स्पस्ट नही हो सका। सूचना मिलते ही सिकरारा की पुलिस टीम मौके पर पहुंची और शव को अपने कब्जे में लिया। पुलिस ने घटनास्थल का बारीकी से मुआयना किया और आवश्यक जांच शुरू कर दी है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। पुलिस ने कानूनी कार्रवाई पूरी करते हुए शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है।

मुतवल्लियों को उम्मीद पोर्टल पर वक़्फ संपत्तियों की डिजिटल एंट्री का प्रशिक्षण सम्पन्न

-डॉ. इम्तियाज अहमद

जौनपुर (उत्तरशक्ति) ' जिले के तंदूरी दरबार बैंकवेट हाल में शुक्रवार को वक़्फ संपत्तियों को उम्मीद पोर्टल पर अपलोड करने हेतु आयोजित एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत हाफिज सरवर ने तिलावत ए कुरआन से किया एवं नात ए नबी का नजराना शायर अजीम जौनपुरी ने प्रस्तुत किया। इस अवसर पर जिला कॉर्डिनेटर व शाही ईदगाह कमेटी के सेक्रेटरी शोएब खाँ की अध्यक्षता में मुतवल्लियों को डिजिटल अपलोड प्रक्रिया का प्रशिक्षण टेक्निकल एक्सपर्ट सरताज खान एवं खालिद खान द्वारा दिया गया।

मुख्य अतिथि हाजी रिजवानुल हक पूर्व चेयरमैन मदरसा बोर्ड एवं वक़्फ बोर्ड के वरिष्ठ अधिवक्ता ने उपस्थित मुतवल्लियों को बताया कि उन्हें अपनी वक़्फ संपत्तियों का विवरण उम्मीद पोर्टल पर अपलोड करना अनिवार्य है। इसके लिये खसरा खतौनी सहित मुतवल्ली सर्टिफिकेट,आधार कार्ड,मोबाइल नम्बर,ईमेल आईडी सहित अन्य जरूरी दस्तावेज साथ रखना आवश्यक है। प्रशिक्षकों ने मुतावल्लियों को यह भी बताया कि सरकार ने वक़्फ संपत्तियों की सुरक्षा और डिजिटलाइजेशन को बढ़ावा देने के लिए या पहल शुरू की है उन्होंने स्पष्ट किया के 5 दिसंबर 2025 तक अपलोड करना अनिवार्य है और समय सीमा के बाद अपलोड ना करने पर जुमार्ना एवं कानूनी कार्रवाई की जाएगी कार्यक्रम संचालन मोहम्मद आरिफ खान ने किया। इस अवसर पर डॉ. सरफराज खान चेयरमैन प्रतिनिधि जफराबाद, फैज एडवोकेट, नियाज ताहिर शेखू, मछली शहर कोऑर्डिनेटर इरशाद खान, नफीस अहमद, आंबेडकर नगर मुतवल्ली मुदस्सिर फारूकी, शाहगंज मदरसा मुतवल्ली अब्दुल्ला कासमी,जौनपुर यतीमखाना मिर्जा यावर बेग मुतवल्ली मोहम्मद अली, हाजी मुन्ना मुतवल्ली वक़्फ कब्रिस्तान, शाहनवाज अंसारी, हाफिज मुमताज मुतवल्ली खानकाह रशीदिया, मोनू खान, सेराज मुगल, मुस्तफा जकरिया, जफर शोएब खान, हाजी इमरान समेत अन्य लोग उपस्थित रहे।

प्रेमिका के परिजनों को फंसाने के लिए युवक ने खुद को मारी गोली, तीन गिरफ्तार

आजमगढ। आजमगढ़ के देवगांव थाना क्षेत्र में एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है, जहां एक युवक ने अपनी प्रेमिका के परिजनों को झूठे मुकदमे में फंसाने के लिए स्वयं को गोली मारकर फर्जी हमले की कहानी रची। पुलिस ने इस साजिश का पदार्फाश करते हुए तीन अभियुक्तों—मोहम्मद शफीक शेख, मोहम्मद कैफ, और संदीप यादव—को गिरफ्तार किया है। घटना में प्रयुक्त .32 बोर पिस्टल, एक जिंदा कारतूस, और एक खोखा कारतूस भी बरामद किया गया है। 08 अक्टूबर को मोहम्मद कैफ ने थाना देवगांव में शिकायत दर्ज की थी कि दो अज्ञात मोटरसाइकिल सवारों ने उनके चचेरे भाई मोहम्मद शफीक पर पिस्तौल से जानलेवा हमला किया, जिसमें शफीक के बाएं कंधे के नीचे गोली लगी। घायल को पहले स्थानीय अस्पताल और फिर बीएचयू ट्रॉमा सेंटर रेफर किया गया। पुलिस ने मामले में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की। जांच के दौरान पुलिस को घटनास्थल से एक संदिग्ध कैश मेमो मिला, जिसमें असलहे के निशान थे। गहन पूछताछ में पता चला कि शफीक ने अपनी प्रेमिका के परिजनों को फंसाने के लिए दोस्तों के साथ मिलकर यह साजिश रची। शफीक ने खुद को गोली मारी, और कैश मेमो का इस्तेमाल यह दिखाने के लिए किया गया कि गोली कुछ दूरी से चलाई गई। पुलिस अधीक्षक डॉ. अनिल कुमार के निर्देश पर अपर पुलिस अधीक्षक मधुवन कुमार सिंह और क्षेत्राधिकारी लालगंज भूपेश कुमार पांडेय के मार्गदर्शन में देवगांव पुलिस ने 10 अक्टूबर, को सुबह 08:55 बजे तीनों अभियुक्तों को टिकरी गांव से गिरफ्तार किया। अभियुक्तों के खिलाफ आर्म्स एक्ट और बीएनएस की विभिन्न धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। इस मामले ने पुलिस की सतर्कता और त्वरित कार्रवाई को उजागर किया है, जिससे एक सुनियोजित साजिश का खुलासा हुआ।

मिशन शक्ति से महिलाएं बन रहीं स्वावलंबी : प्रो. अरविंद सिंह

पीजी कॉलेज समोधपुर में हुआ मिशन शक्ति फेज-5 का आयोजन

सुइथाकला, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। गांधी स्मारक पीजी कॉलेज समोधपुर, जौनपुर में दिनांक 10अक्टूबर, 2025 को मिशन शक्ति फेज-5 महिला सशक्तिकरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान वाद -विवाद प्रतियोगिता भी हुई। इसमें छात्र-छात्राओं ने उत्साहित होकर हिस्सा लिया और विविध पक्षों पर अपने विचार रखे। कार्यक्रम में राजनीति विज्ञान के प्रोफेसर अरविंद कुमार सिंह ने कहा मिशन शक्ति से महिलाएं सशक्त और स्वावलंबी हो रही है। प्रो.सिंह ने आधी आबादी के अधिकारों सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलम्बन के संदर्भ में विस्तृत चर्चा की। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विवि में राष्ट्रीय सेवा योजना के पूर्व समन्वयक तथा आई. क्यू. ए.सी. समन्वयक प्रो. राकेश कुमार यादव ने भारतीय इतिहास में वैदिक युग से लेकर आधुनिक युग तक महान स्त्रियों और उनके योगदान को बताया । पुरुष प्रधान समाज के बावजूद महिलाएं प्रत्येक क्षेत्र में आगे बढ़ी हैं । आज की महिला की

हिस्सेदारी राजनीति, इंजीनियरिंग, विज्ञान, तकनीक, खेल में बढ़ी है ।मिशन शक्ति से महिला की स्थिति और सशक्त हुई है। प्रो. लक्ष्मण सिंह ने मिशन शक्ति फेज 5 के संदर्भ में चर्चा करते हुए महिलाओं की सशक्तिकरण पर बल दिया । इसके लिए उन्होंने मिशन शक्ति द्वारा महिलाओं की सुरक्षा और सम्मान को जरूरी बताया। बी.एड. विभागाध्यक्ष डॉ पंकज सिंह ने वैदिक काल से लेकर आधुनिक काल तक स्त्री की स्थिति पर चर्चा की । उन्होंने कहा कि स्त्री में परिवार के संचालन योग्यता अद्भुत होती है।

डॉ अवधेश कुमार मिश्रा ने स्त्री को महान बताया।डॉ मिश्रा ने कहा कि भारतवर्ष में वैदिक काल से ही स्त्री को विशेष स्थान प्राप्त है।डॉ अविनाश वर्मा ने स्त्री को सृजन शक्ति से संपन्न बताया।उन्होंने कहा कि महिलाओं को प्रत्येक स्थिति में सुरक्षा सम्मान मिलना चाहिए।मिशन शक्ति के प्रारंभिक चार चरण सफल रहे हैं ।सत्य प्रकाश सिंह ने स्त्री की पौराणिक स्थिति के बारे में बताया।

डॉ आलोक प्रताप सिंह बिसेन ने कहा कि विभिन्न कार्यक्रमों और आयोग के माध्यम से आज की महिला सशक्त हुई है, किंतु हमें ध्यान रखना होगा की इस प्रकार के कार्यक्रमों का दुरुपयोग ना हो। समाजशास्त्र विभाग के विभागाध्यक्ष विकास कुमार यादव ने स्त्री शिक्षा पर जोर देते हुए कहा कि महिलाओं को अपने अधिकारों के जागरूक होना चाहिए तभी उन्हें सुरक्षा और सम्मान मिलेगा।जितेंद्र कुमार ने कहा वर्तमान समय में महिलाएं प्रत्येक क्षेत्र में आगे बढ़ी हैं चाहे वह सिविल सेवा हो, डिफेंस हो या फिर खेल।

डॉ लालमणि प्रजापति ने कार्यक्रम का संचालन किया तथा धन्यवाद ज्ञापन हिंदी के विभागाध्यक्ष जितेंद्र सिंह ने किया । इस अवसर पर डॉ.नीलमणि सिंह, डॉ. विष्णुकांत त्रिपाठी व बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे ।

वाराणसी और प्रयागराज पुलिस कमिश्नर को लगाई क्लास

वाराणसी (उत्तरशक्ति) । जनपद के संदर्भ में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक में वाराणसी और प्रयागराज पुलिस कमिश्नर को कड़ी फटकार लगाई है। बैठक में बरेली और कानपुर पुलिस कमिश्नर की तारीफ करते हुए सीएम योगी ने कहा कि बलवाइयों पर बरेली जैसी कार्रवाई हर जगह होनी चाहिए। सीएम योगी ने बरेली पुलिस की तारीफ करते हुए कहा कि जुमे की नमाज के फसाद पर सख्त कार्रवाई और तौकीर रजा पर कार्रवाई की सराहना की। इसके अलावा कानपुर पुलिस कमिश्नर रघुवीर लाल की भी तारीफ की, जिन्होंने विस्फोट घटना में अफवाहों को समय रहते रोक दिया। वहीं, वाराणसी पुलिस कमिश्नर पर फटकार लगाते हुए सीएम योगी ने कहा कि वाराणसी में तब तक कार्रवाई नहीं होती, जब तक मुख्यमंत्री कार्यालय से बताया नहीं जाता। प्रयागराज पुलिस कमिश्नर जोगिंदर कुमार को भी फटकार लगाई गई। सीएम योगी ने कहा कि आगामी त्योहारों को देखते हुए सभी जिलों में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी की जाए। उन्होंने कहा कि कानून-व्यवस्था में किसी भी तरह की ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। बैठक में प्रदेश के सभी डीएम, एसपी, आईजी, एडीजी मौजूद रहे।

नेता मुलायम सिंह यादव की पुण्यतिथि श्रद्धा के साथ मनाई गई

मुंबई। मुंबई के मुलुंड क्षेत्र में समाजवादी पार्टी के कार्यकताओं और पदाधिकारियों द्वारा नेता मुलायम सिंह यादव की पुण्यतिथि को भव्य श्रद्धांजलि सभा के रूप में मनाया गया। इस कार्यक्रम में समाजवादी विचारधारा को आगे बढ़ाने की शपथ ली गई और नेता के संघर्षपूर्ण जीवन से प्रेरणा लेने का आह्वान किया गया। इस अवसर पर ईस्टर्न मुंबई जिला प्रमुख महासचिव शशिकांत बलिराम यादव, जिला सचिव रविंद्र नाथ यादव, सहित समाजवादी पार्टी के कई वरिष्ठ पदाधिकारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन दीनानाथ यादव ने किया। जिनका सहयोग सुशील यादव, जीवनलाल यादव, अनिल विजय यादव, अखिलेश यादव, संतोष यादव और गंगवानी ने किया। सभी ने नेता की तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी और उनके विचारों को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया। इस आयोजन में समाजवादी पार्टी के अनेक कार्यकर्ता एवं स्थानीय नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान समाजवादी सिद्धांतों, सामाजिक न्याय और सर्वसमाज की एकता पर बल दिया गया।

घोड़बंदर स्थित आरएमसी प्लांट पर एमपीसीबी की कार्रवाई

मीरा भायंदर (उत्तरशक्ति)। मीरा भायंदर महाराष्ट्र राज्य परिवहन मंत्री और धाराशिव जिले के संरक्षक मंत्री प्रताप इंदिराबाई बाबूराव सरनाईक तथा पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री पंकजाताई मुंडे के बीच आधिकारिक पत्राचार के बाद, एमपीसीबी ने मीरा भायंदर शहर के घोड़बंदर इलाके में चल रहे रेडी मिक्स कंक्रीट (आरएमसी) प्लांट की गहन जाँच की। अब महाराष्ट्र प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (एमपीसीबी) ने इस पर कड़ी कार्रवाई करते हुए तत्काल प्रतिबंध आदेश जारी कर दिया है। स्थानीय नागरिकों ने शिकायत की थी कि यह प्लांट गंभीर वायु और ध्वनि प्रदूषण फैला रहा है। 9 सितंबर, 2025 को घोड़बंदर गाँव के नागरिकों ने आरएमसी प्लांट से होने वाले धूल और वायु प्रदूषण के संबंध में बोर्ड में शिकायत दर्ज कराई थी। 11 सितंबर को जब एमपीसीबी के अधिकारियों ने घटनास्थल का निरीक्षण किया, तो गंभीर खामियाँ पाई गईं। जाँच रिपोर्ट के अनुसार, आरएमसी मिक्सिंग प्लांट ढका हुआ नहीं था और भारी मात्रा में धूल उत्सर्जित कर रहा था। भंडारण और कार्य क्षेत्र में पानी के छिड़काव की भी कोई सुविधा नहीं थी। नियमानुसार 30 फुट ऊँचे बैरिकेड की बजाय, केवल 10 फुट ऊँची टिन की दीवार खड़ी की गई थी। ट्रांजिट मिक्सर वाहनों के लिए टायर धोने की सुविधा भी नहीं थी और न ही उचित सीवेज प्रबंधन (कंक्रीट पिट) की व्यवस्था थी।

बीआरपी इंटर कॉलेज के मैदान में यूपी ट्रेड शो स्वदेशी मेला 2025 का हुआ शुभारंभ

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिलाधिकारी द्वारा स्वयं चाक पर मिट्टी का दीया बनाकर दिवाली पर स्वदेशी उत्पादों को खरीदने की अपील की गयी। शासन के निर्देश के क्रम में उद्योग विभाग के तत्वाधान में बीआरपी इंटर कॉलेज के मैदान में आयोजित यूपी ट्रेड शो स्वदेशी मेला 2025 का शुभारंभ मुख्य अतिथि राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) खेल एवं युवा कल्याण विभाग गिरीश चन्द्र यादव , राज्यसभा सांसद श्रीमती सीमा द्विवेदी, जिलाध्यक्ष भाजपा द्वय पुष्पराज सिंह और अजय सिंह, अध्यक्ष नगर पालिका परिषद जौनपुर श्रीमती मनोरमा मौर्या, जिलाधिकारी डा0 दिनेश चन्द्र सहित अन्य के द्वारा फीता काटकर और दीप प्रज्वलन कर किया गया। जिलाधिकारी सहित अन्य अधिकारीगण एवं मिशन शक्ति के अन्तर्गत छात्रा मोना के द्वारा मुख्य अतिथि सहित अन्य अतिथिगण को पगड़ी पहनाकर पुष्पगुच्छ, अंगवस्त्रम तथा का स्मृति चिन्ह देकर स्वागत किया गया। अतिथिगण द्वारा 22 विभागों के द्वारा लगाए गए लगभग 50 स्टॉल का अवलोकन किया गया, जिसमें खादी ग्रामोद्योग विभाग, खाद्य एवं प्रसंस्करण विभाग, उद्यान विभाग, खाद्य एवं रसद विभाग, प्रोबेशन विभाग, समाज कल्याण विभाग, उद्योग विभाग सहित अन्य विभाग द्वारा स्टॉल लगाया गया था। स्टॉल पर योजनाओं की जानकारी देने के साथ ही नामांकन कराया गया। इस दौरान स्वदेशी उत्पादों, दरी, खादी के वस्त्र, अचार, सजावटी सामान, रोजमर्रा की वस्तुएं, दीपक, कुल्हड़, मिट्टी के बने उत्पाद, पूजा सामग्री, स्वयं सहायता की महिलाओं द्वारा बनाये गये सजावटी दीये इत्यादि के स्टॉल लगाए गए थे। कस्टम हॉयरिंग योजना के लाभार्थी विनय को ट्रैक्टर की सांकेतिक चाभी प्रदान की गयी। प्रशान्त सिंह, अर्चना मौर्या सहित अन्य लाभार्थी को सीएम युवा उद्यमी विकास योजनान्तर्गत सांकेतिक चेक प्रदान किया गया। इसके साथ ही विभिन्न विभागों से लाभार्थी तथा उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली सुनीता आजाद, उषा मौर्या, जया सहानी, कविता सहित अन्य को प्रमाण-पत्र वितरित किया गया। जिलाधिकारी द्वारा स्वयं भी चाक पर मिट्टी का दीया बनाकर दिवाली पर स्वदेशी उत्पादों, दीया, सजावटी सामानों इत्यादि को खरीदने की अपील की गई। कंपोजिट विद्यालय की बच्चियों द्वारा मनमोहक सरस्वती वंदना, गणेश वंदना तथा सांस्कृतिक कार्यक्रमों के प्रस्तुति दी गई। राज्यमंत्री जी ने कहा कि आज इस स्वदेशी मेले में 22 विभागों के द्वारा स्टॉल लगाकर स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा देने और लोगो में जन जागरुकता लाई जा रही है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री जी तथा मुख्यमंत्री जी ने स्वदेशी उत्पादों को अपनाने का जो संकल्प लिया गया है उसी संकल्प को साकार करने हेतु यह प्रयास किया गया है। राज्यमंत्री जी ने सभी जनपद वासियों से अपील की है कि दिपावली के शुभ अवसर पर सभी लोग अपने-अपने घरों में स्वदेशी उत्पादों का उपयोग करे। उन्होंने कहा कि इससे प्रधानमंत्री तथा मुख्यमंत्री के विकसित भारत का सपना तभी साकार होगा जब लोग स्वदेशी उत्पादों को प्रयोग करना शुरू करेंगे, जिससे स्थानीय लोगो के कौशल को